2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -302 बुधवार ,07 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

हमारी रूचि हमारे जीवन की कसौटी और हमारे मनुष्यत्व की पहचान है।

-रस्किन-

कुशियारा नदी जल बंटवारे समेत

भारत-बांगलादेश में 7 समझौतों पर हस्ताक्षर

- समग्र आर्थिक साझीदारी करार पर चर्चा शुरू करेंगे भारत बंगलादेश
- बंगलादेश भारत का सबसे बड़ा विकास साझीदारः मोदी

नई दिल्ली, 06 सितम्बर 2022। भारत एवं बंगलादेश ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक भूराजनीतिक घटनाक्रमों की समीक्षा करते हुए अपनी अर्थव्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ सीमा पर व्यापारिक सुविधाओं एवं ढांचों को सुदृढ़ करने और समग्र आर्थिक साझीदारी करार (सीपा) पर बातचीत शुरू करने का आज फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत यात्रा पर आई बंगलादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना के बीच आज यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में परस्पर सहयोग को मजबूत बनाने के लिए अनेक फैसले लिए गए और इस संबंध में सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किये जिनमें कुशियारा नदी के जल के बंटवारे एवं साझा उपयोग को लेकर,

बंगलादेश रेलवे के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने, बंगलादेश रेलवे को मालवहन समेत विभिन्न क्षेत्रों में आईटी एप्लीकेशन के उपयोग में सहयोग, बंगलादेश के न्यायिक अधिकारियों की क्षमता निर्माण में सहयोग, विज्ञान एवं तकनीक के अनुसंधान में सहयोग, अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग तथा प्रसार भारती एवं बंगलादेश टेलीविजन के बीच प्रसारण संबंधी सहयोग के सहयोग के करार शामिल हैं। इसके बाद दोनों देशों के बीच विकास साझीदारी की परियोजनाओं को एक फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। इसके बाद बंगलादेश की प्रधानमंत्री ने मोदी को भारत एवं बंगलादेश के बीच राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती के अवसर पर प्रकाशित एक पुस्तक भेंट की।

सोमवार को भारत की चार दिन की यात्रा पर यहां पहुंचीं हसीना का सुबह राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रस्मी स्वागत किया गया। उन्होंने तीनों सेनाओं की एक संयुक्त टुकड़ी की सलामी गारद का निरीक्षण किया। इसके बाद हसीना राजघाट गईं, जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूर्वाह्न 11 बजे हैदराबाद हाउस पहुंची जहां मोदी ने उनका स्वागत किया।

टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की कार एक्सीडेंट में मौत का खुलेगा राज

डेटा रिकॉर्डर चिप को जर्मनी में मर्सिडीज करेगी डिकोड

मुंबई, 06 सितम्बर 2022। टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की कार हादसे में मौत की जांच के दौरान पालघर पुलिस ने कार निर्माता कंपनी से कई सवाल किए हैं। अब हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए डेटा रिकॉर्डर चिप जर्मनी भेजी जाएगी। बता दें कि साइरस मिस्त्री का रविवार को मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर हुए हादसे में निधन हो गया था।

सूत्रों के अनुसार, कार निर्माता कंपनी ने पालघर पुलिस को सूचित किया है कि वाहन की डेटा रिकॉर्डर चिप जर्मनी भेजी जाएगी। जर्मनी से डिकोडिंग के बाद एसयूवी के बारे में अधिक जानकारी मिल पाएगी। हादसे के वक्त कार की रफ्तार कितनी थी? ब्रेक, एयर बैग और अन्य पुर्जे हादसे के वक्त कैसे काम कर रहे थे? पूरी जानकारी चिप के डिकोड होने के बाद मिलेगी।

पत्नी की प्रताड़ना से परेशान है डीएसपी

पत्नी ने ऐसे नकोड़ा कि निकल गया खून डीएसपी ने शेयर किया वीडियो दर्ज करवा चुकी है 6 एफआईआर

झारखंड , 06 सितम्बर 2022। डीएसपी रैंक का एक अधिकारी अपनी पत्नी की प्रताड़ना से परेशान है. जिसके बाद अपनी इस डीएसपी पति ने अपने फेसबुक अकाउंट में अपना साथ हुई प्रताड़ना का वीडियो शेयर कर दिया है. इस वीडियो में पत्नी अपने पति को ऐसे नकोड़ती है कि उसके हाथों में नाखुन के निशान आ जाते है. वहीं डीएसपी की फेसबुक पोस्ट के मुताबिक उनकी पत्नी ने अब तक उसके पति और परिजनों के खिलाफ 6 एफआईआर दर्ज करवा चुकी है.

पूरा मामला झारखंड के रामगढ़ के Deputy SP किशोर रजक का है. उन्होंने एक वीडियो जारी किया था. वीडियो में किशोर रजक ने नाखून से बने निशान को दिखाया. उन्होंने कहा कि पत्नी वर्षा श्रीवास्तव ने उन्हें घायल कर दिया और फिर घर से भाग गई. वीडियो शेयर करते हुए SDPO किशोर रजक ने लिखा- पत्नी ने मुझपर अनगिनत बार हमले किए हैं. पत्नी के क्रुर, हिंसक व्यवहार से बच्चा उससे नफरत करता है. उसको देखने भर से चिल्लाने लगता है. मेरे ना रहने पर मजबूरी में उसको रहना पड़ता है.

किशोर रजक ने पत्नी गंभीर आरोप लगाते हुए आगे कहा- वर्षा श्रीवास्तव के सैकड़ों फेसबुक वीडियो और पोस्ट को देखें, उसका इरादा पता चलेगा जैसे-

1. मुझे, मेरे माता-पिता और परिवार की छवि को धूमिल करना
2. हर हाल में मुझे SDPO Ramgarh के पद से हटवाना
3. हजारों करोड़ों रुपए की चाहत और वसूली।
4. अपने अपराधिक इतिहास को छुपाने के लिए असमाजिक तत्वों और कुछ नेताओं से मिलकर मेरे खिलाफ अभियान चलाकर कुछ माननीय विधायकों, मंत्रियों, मुख्यमंत्री और सरकार की छवि धूमिल करना और तीखी आलोचना करना.

पोस्ट के आखिर में SDPO किशोर रजक ने लिखा- मेरे रहते बच्चा किसी भी कीमत पर अपनी मां के पास नहीं जाएगा. बच्चा, मां को देखते ही मेरी तरफ भागता है, रोता है, चिल्लाता है. पुलिस, न्यायलय, सामाजिक संस्थाएं, महिला संस्थाएं जो भी चाहें, इसकी परीक्षा कर सकता है. पोस्ट में स्ष्ठक्क किशोर रजक ने बताया- पत्नी के भागने के बाद मुझपर उल्टा मारपीट का आरोप ना लगे इसलिए मैंने बंगले के तीनों दरवाजे अंदर से बन्द कर दिया और सभी दरवाजा तब खोला जब एक ष्ठस्क्क एक इंस्पेक्टर और एक दर्जन सब-इंस्पेक्टर अधिकारी आवास में पहुंचे. पत्नी ने भी तीन लाइव वीडियो बनाए जिसमें वह मुझे दरवाजा खोलने के लिए बोल रही थी।

26 कैदी मिले एचआईवी पॉजिटिव,मचा हडकंप

बाराबंकी, 06 सितम्बर 2022। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से हैरान करने वाली खबर सामने आई है. यहां जेल में 26 कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए है. रिपोर्ट सामने आने के बाद जेल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मच गया है.

हैरान करने वाली बात तो ये है कि उनमें से कई कैदी एड्स के अंतिम स्टेज तक पहुंच चुके हैं. ऐसे कैदियों को लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ART थेरेपी शुरू कर दी गई है. वहीं बाकी के 24 कैदियों को भी जल्द से जल्द ART थेरेपी दी जाएगी. अभी 70 महिला कैदियों के टेस्ट होने बाकी हैं.

इन कैदियों के एचआईवी पॉजिटिव होने का खुलासा तब हुआ जब हाल ही में जेल के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच कैंप लगाया गया था. यह कैंप 10 अगस्त से 1 सितंबर के बीच जिला कारागार में तीन चरणों में लगाया गया था, जिसके बाद जेल प्रशासन को 26 कैदी एचआईवी पॉजिटिव मिले.

आपको बता दें कि जिला जेल में कुल 3300 कैदी हैं. इससे पहले गोरखपुर और सहारनपुर की जेल से भी एचआईवी पॉज़िटिव कैदी मिलने खबर सामने आई थी।

डॉग लेकर लिफ्ट में चढ़ी महिला,बच्चे को कुत्ते ने काटा

दर्द से तड़पता रहा मासूम,तमाशा देखती रही मालकिन,एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद, 06 सितम्बर 2022। यूपी के गाजियाबाद की एक सोसाइटी का वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि लिफ्ट में एक महिला अपने कुत्ते के साथ नीचे उतर रही है. उस लिफ्ट में मौजूद एक बच्चे को उसके कुत्ते ने काट लिया. लेकिन वह महिला कुछ भी नहीं कर रही है और बड़े आराम से लिफ्ट नीचे जाने पर निकलकर चली जाती है. वीडियो में यह देखने को मिल रहा है कि बच्चा बड़ी देर तक दर्द से तड़पता रहा.

बाद में उसने अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी. बच्चे के माता-पिता ने गाजियाबाद के नंद ग्राम पुलिस से शिकायत की. पुलिस ने धारा 298 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है. बच्चे के माता-पिता ने जब सोसाइटी में और लोगों से बातचीत की तो उन्हें पता चला कि इस महिला का कुत्ता पहले भी कई और लोगों को काट चुका है.

गौरतलब है कि गाजियाबाद में एक तरफ जहां आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है, वहीं कुत्ता पालने वाले भी नियम-कानूनों का पालन नहीं कर रहे हैं. गाजियाबाद जिले के शालीमार गार्डन स्थित गौर एन्क्लेव-2 में भी पिछले कुछ दिनों के दौरान बच्चों और महिलाओं सहित कई लोग कुत्ते के काटने के शिकार हो चुके हैं, लेकिन लगातार शिकायतों के बावजूद नगर निगम चुपचाप बैठा हुआ है।

केवल बिहार नहीं,हम देश का मॉडल बनाने पर काम कर रहे हैंःनीतीश

नई दिल्ली , 06 सितम्बर 2022। देश भर के विपक्षी नेताओं को लामबंद करने की मुहिम में लगे बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार ने कहा है कि वह विपक्षी दलों के साथ मिलकर देश में शासन का मॉडल बनाने पर काम कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं को विश्वास में लेने के अभियान पर पहुंचे कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद मंगलवार को यहां भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता डी राजा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता सीताराम येचुरी से मुलाकात की।

पंचायत भवन में रंगरलिया मनाते पकड़ा गया सहायक सचिव,5 हजार रुपए में बुलाई थी कॉलगर्ल

भनक लगते ही ग्रामीणों ने बाहर से जड़ दिया ताला

रतलाम, 06 सितम्बर 2022। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में एक सहायक सचिव का कारनामा सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे। सहायक सचिव ने 5 हजार रुपए में एक कॉलगर्ल बुलाकर पंचायत भवन में उसके साथ रंगरलिया मना रहा था। लेकिन ग्रामीणों को इसकी भनक लगते ही उन्होंने बाहर से ताला जड़ दिया और पुलिस बुला ली। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उन्हें बाहर निकाला तो भीड़ आक्रोशित हो गई और मारने के लिए दौड़ पड़ी। इस दौरान बीच-बचाव कर रही पुलिस

पर भी लोगों ने पथराव किया। मामला पिपलौदा जनपद क्षेत्र के गांव नोलखा का है।

जानकारी के अनुसार, कल रात में ग्राम पंचायत नोलखा के सहायक सचिव रामचंद्र माली 5 हजार रुपए में देह व्यापार करने वाली महिला बुलाकर पंचायत भवन में उसके साथ रंगरलिया मना रहा था। लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान जमकर बवाल हुआ। इस घटनाक्रम का वीडिया भी सामने आया है।

एसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे थाने पर पदस्थ आरक्षक राजेश पटेल को सूचना मिली कि ग्राम पंचायत नोलखा के सहायक सचिव रामचंद्र माली को पंचायत भवन में एक महिला के साथ रंगरलिया मनाते हुए ग्रामीणों ने पकड़ा है। ग्रामीण पंचायत भवन के बाहर इकट्ठा होकर हंगामा कर रहे हैं। इस सूचना पर मौके पर पहुंचकर जब पंचायत भवन का ताला खुलवाया गया तो कमरे में महिला व सहायक सचिव मिले। उनको बाहर निकालते समय भीड़ आक्रोशित हो गई और उन दोनों को पीटने के लिए आगे बढ़ी। महिला को बचाने में पुलिस ने काफी मशक्कत की। इस बीच अंधेरे का फायदा उठाकर सहायक सचिव वहां से भाग गया। महिला को थाने ले गए। जहां उसने बताया कि उसे सहायक सचिव रामचंद्र माली ने 5 हजार रुपए देने की बात कर के बुलाया था। सहायक सचिव और महिला के खिलाफ पीटा एक्ट की धारा 7 में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शराब माफिया वीडियो राय और उनके परिवार के सदस्यों पर ईडी का मेगा एक्शन, इतने करोड़ की संपत्ति कुर्क!

समस्तीपुर, 06 सितम्बर 2022। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बिहार के समस्तीपुर जिला निवासी शराब माफिया वीडियो राय और उनके परिवार के सदस्यों के विरुद्ध बड़ा एक्शन लिया है. ईडी ने वीडियो राय और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़ी 3 करोड़ 51 लाख 14 हजार रुपये की 8 अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया है. ईडी में जिन सम्पत्तियों की कुर्की की है वो संपत्ति समस्तीपुर जिला में है.

मीडिया रिपोर्ट्स में ईडी के हवाले से प्रकाशित खबर के मुताबिक, यह कार्रवाई पटना की आर्थिक अपराध इकाई से प्राप्त कई स्न्ढ्ढक्रके आधार पर 22 फरवरी को ईसीआईआर दर्ज करके क्क्रु 2002 के तहत की गई है.

बताया जाता है कि आर्थिक अपराध ईकाई से मिले इनपुट के आधार पर ईडी ने वीडियो राय और अन्य के खिलाफ धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 414 (चोरी की संपत्ति को छिपाने में सहायता करना), 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) 467 मूल्यवान सुरक्षा/वसीयत की जालसाजी और आईपीसी की धारा 471 (जाली दस्तावेजों का उपयोग करना) 1860 और धारा 25 (1-बी) ए और धारा 25 आर्म्स एक्ट 1959 के तहत जांच शुरू की थी.

आपको बता दें कि जांच के दौरान मिले साक्ष्य और तथ्य के आधार पर वीडियो राय और उसके परिजनों के विरुद्ध तीन स्न्ढ्ढक्र दर्ज की गई हैं. यह भी आरोप लगाया गया था कि वीडियो राय अवैध शराब की खरीद-बिक्री में शामिल था. साथ-साथ उसने बड़ी अचल संपत्ति अर्जित की है।

राष्ट्रपति सम्मानित शिक्षक राजौरिया का गणित पढ़ाने का तरीका अनोखा,देशभर से आता है लेक्चर के लिए बुलावा

भिंड, 06 सितम्बर 2022। भिंड जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय मध्यवर्ती में पदस्थ शिक्षक राजौरिया के पढ़ाने का अंदाज ही निराला है. गणित विषय के शिक्षक राजनारायण राजौरिया पिछले 42 वर्षों से शिक्षक हैं और गणित में रुचि रखने के चलते बच्चों के लिए इस विषय को सरल बनाने में जुटे हुए हैं. खास बात यह है कि उनके इन प्रयासों के लिए उन्हें राष्ट्रपति ने भी सम्मानित किया है. राजौरिया सर ने गणित को सरल रूप में सिखाने के लिए दो किताबें भी लिखी हैं. उनकी किताब भारतीय गणित विज्ञान काफी लोकप्रिय है.

इतना ही नहीं राजौरिया ने घर में निकलने वाले वेस्ट मटेरियल जैसे लकड़ी, गत्ता, प्लास्टिक, वगैरा से सरल रूप से गणित सीखने के लिए सैकड़ों डिजाइन और एक्सपेरिमेंटल टूल बनाए हैं. जिसकी मदद से खेल-खेल में बच्चे गणित समझ लेते हैं. शिक्षक राजनारायण राजौरिया के जुनून को इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अपने बनाए एक्सपेरिंटल टूल्स को स्कूल में लेकर जाते हैं और उनसे बच्चों से लाइव प्रदर्शन करते हुए सिखाते हैं. उनकी क्लास के बच्चे भी कहते हैं कि उनके सर का इस तरह से सिखाने का तरीका उन्हें बेहद पसंद हैं. उनकी क्लास में हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है और खेलने के लिए भी।

केंद्र सरकार ने एयरपोर्ट से खत्म किया CISF के 3 हजार से अधिक पद,अब सिक्योरिटी गार्ड से चलाया जाएगा काम

नई दिल्ली, 06 सितम्बर 2022। केंद्र सरकार ने एयरपोर्ट से सीआईएसएफ के 3 हजार से अधिक पोस्ट को खत्म कर दिया है। अब उनकी जगह हवाईअड्डों पर गैर-संवेदनशील ड्यूटी निजी सुरक्षा गार्ड करेंगे। नागर विमानन मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय की तरफ से संयुक्त रूप से तैयार 2018-19 कार्य योजना को अब देश भर के 50 असैन्य हवाईअड्डों पर लागू किया जा रहा है। इसका क्रियान्वयन नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मिलकर करेंगे। विमानन सुरक्षा के नियामक संगठन बीसीएएस की योजना के मुताबिक, सीआईएसएफ के कुल 3,049 विमानन सुरक्षा पदों को खत्म कर दिया गया है और उनकी जगह पर 1,924 निजी सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरे और सामान के स्कैनर जैसी स्मार्ट निगरानी तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा, इस नए सुरक्षा ढांचे से विमानन क्षेत्र में 1,900 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। इससे सीआईएसएफ के मानव संसाधन भी बढ़ेंगे जिससे यह बल सुरक्षा दायरे में आने वाले नए हवाईअड्डों और मौजूदा हवाईअड्डों पर सुरक्षा ड्यूटी की बढ़ती जरूरतों को पूरा कर सकेगा। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से हवाईअड्डों के संचालकों का विमानन सुरक्षा पर होने वाला खर्च भी कुछ कम होगा। एक विश्लेषण में पाया गया है कि कई गैर-संवदेनशील कामों के लिए सशस्त्र सीआईएसएफ जवानों की जरूरत नहीं है और ऐसे काम निजी सुरक्षाकर्मी भी कर सकते हैं जबकि कुछ क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी की जा सकती है।

बीसीएएस के संयुक्त महानिदेशक जयदीप प्रसाद ने कहा कि निजी सुरक्षा एजेंसियों और उनके कर्मियों को मंजूरी बीसीएएस देगा और वे विमानन सुरक्षा के लिए बने नियमों से संचालित होंगे। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि दिल्ली, मुंबई तथा अन्य हवाईअड्डों पर गैर-संवदेनशील ड्यूटी के लिए निजी सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं। इनमें कतार प्रबंधन, एयरलाइन कर्मियों और यात्रियों को सुरक्षा सहायता और टर्मिनल क्षेत्र के भीतर कुछ स्थानों पर निगरानी जैसे काम शामिल हैं। इसके साथ ही अधिकारी ने यह साफ किया कि हवाईअड्डा में प्रवेश पर यात्रियों के विवरण की जांच, यात्रियों की जांच, तोड़फोड़-रोधी अभियान, आगे की जांच और सभी आतंकवाद-रोधी सेवाएं सीआईएसएफ पहले की ही तरह देती रहेगी।

संपादकीय

तो पार्टी हुई नहीं

जब सुर्खियां ही सियासी किस्मत तय कर रही हों, तब आपदा में भी अवसर ढूंढ कर उस पर खुशी बांटने की प्रवृत्ति समझी जा सकती है। बहरहाल, हकीकत इतनी गंभीर है कि यह उत्सव मनाने का अवसर भी नहीं मिला।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 16.2 प्रतिशत रहेगी। बाजार के तमाम पंडितों का भी अनुमान था कि ये दर 15 से 16 प्रतिशत तक रहेगी। इसके आधार पर उत्सव मनाने की पूरी तैयारी थी। हालांकि निम्न आधार अगर ये अनुमान सही भी साबित होते, तो उसमें उत्सव मनाने जैसा शायद ही कुछ था। इसलिए कि उसका मतलब होता कि 2018-19 के बाद के तीन वर्षों में इस तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने लगभग 1.75 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर हासिल की है। जिस दौर में सुर्खियां ही सियासी किस्मत तय कर रही हों, तब आपदा में भी अवसर ढूंढ कर उस पर खुशी बांटने की प्रवृत्ति सहज समझी जा सकती है। बहरहाल, हकीकत इतनी गंभीर है कि यह उत्सव मनाने का अवसर भी सरकार और उसकी छवि सुधारने में जुटे रहने वाले मीडिया के हिस्से को नहीं मिला। असल आंकड़े ये सामने आए कि वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रही। इसके बाद गुलाबी (वित्तीय) अखबारों को यह सुर्खी बनानी पड़ी कि आंकड़े कमजोर हैं। ऊपर से यह भी यह सामने आ गया कि जुलाई में कोर सेक्टर की वृद्धि दर छह महीनों के सबसे निचले स्तर पर गिर 4.5 प्रतिशत ही दर्ज हुई। जो जीडीपी वृद्धि दर सामने आई, उसमें यह पहलू गौरतलब है कि पहली तिमाही में आयात साढ़े छह प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज हुई, जिसका जीडीपी वृद्धि दर को ऊंचा करने में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। जबकि निर्यात में सिर्फ 0.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। यह किसी भी रूप में स्वस्थ अर्थव्यवस्था का सूचक नहीं है। बल्कि बढ़ता व्यापार घाटा हर लिहाज से गहरी चिंता का विषय है। इसका दबाव विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा है। महंगे आयात का महंगाई में बढ़ाने में योगदान सर्वविदित है। तो अब जरूरत इस बात की है कि अर्थव्यवस्था की बुनियादी समस्याओं पर खुल कर बात हो। जड़ें कहां कमजोर हुई है, इसे समझने की कोशिश की जाए। ऐसा तभी हो सकता है, जब सिर्फ सकारात्मक खबरें ढूंढने और प्रचारित करने की प्रवृत्ति से सरकार उबरे। वरना, हर सुखबोध का अंत इसी तरह गहरी निराशा में होता रहेगा।

भारत में बढ़ते साइबर अपराध और बुनियादी ढांचे में कमियां

प्रियंका सौरभ
हिसार
हरियाणा

पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था राज्य सूची में होने के कारण, अपराध की जांच करने और आवश्यक साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का प्राथमिक दायित्व राज्यों का है। हालांकि भारत सरकार ने सभी प्रकार के साइबर अपराध से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना सहित कई कदम उठाए हैं, लेकिन बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। चूंकि पारंपरिक अपराध के साक्ष्य की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रकृति में पूरी तरह से भिन्न होते हैं, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से निपटने के लिए मानक और समान प्रक्रियाएं निर्धारित करना आवश्यक है। प्रत्येक जिले या रेंज में एक अलग साइबर-पुलिस स्टेशन स्थापित करना, या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी, आवेदन, उपकरण और बुनियादी ढांचे के परीक्षण के लिए क्षमताओं और क्षमता का निर्माण करने की तत्काल आवश्यकता है।

भारत दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन बाजार है। यद्यपि प्रौद्योगिकी और इंटरनेट की प्रगति ने अपने साथ सभी संबंधित लाभ लाए हैं, लेकिन वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रभावित करने वाले साइबर अपराध में भी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार साइबर अपराध के 2020 में 50,035 मामले दर्ज किए गए थे। भारत में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध बढ़ रहा है। इसे एक अपराध के रूप में परिभाषित किया जाता है जहां एक कंप्यूटर अपराध की वस्तु है या अपराध करने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है। साइबर अपराध सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं, जो व्यक्तियों, व्यवसायों और देशों को प्रभावित कर रहे हैं।

साइबर अपराधों से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में कमियां देखे तो इसके पीछे बहुत से कारक है, साइबर या कंप्यूटर से संबंधित अपराधों की जांच के लिए कोई प्रक्रियात्मक कोड नहीं है। साइबर अपराधों से निपटने के लिए तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती के लिए राज्यों द्वारा आधे-अधूरे प्रयास किए गए हैं। केवल तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी है जो डिजिटल साक्ष्य प्राप्त कर सकता है और उसका विश्लेषण कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 इस बात पर जोर देता है कि अधिनियम के तहत दर्ज अपराधों की जांच एक पुलिस अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए जो एक निरीक्षक के पद से नीचे का न हो। जिलों में पुलिस निरीक्षकों की संख्या सीमित है, और अधिकांश क्षेत्र की जांच उप-निरीक्षकों द्वारा की जाती है।

क्रिप्टोकुरेंसी से संबंधित अपराध कम रिपोर्ट किए जाते हैं क्योंकि प्रयोगशालाओं के खराब स्तर के कारण ऐसे अपराधों को हल करने की क्षमता सीमित रहती है। अधिकांश साइबर अपराध प्रकृति में अंतर-क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के साथ राष्ट्रीय हैं। पुलिस को अभी भी यू.एस. की गैर-लाभकारी एजेंसी, नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) से ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) पर साइबर टिपलाइन रिपोर्ट मिलती है। अधिकांश उपकरण और प्रौद्योगिकी प्रणालियां किसी भी अन्य कनेक्टेड सिस्टम की तरह ही साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील हैं। हालांकि सरकार ने नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर की स्थापना की है, फिर भी इसे महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के उपायों की पहचान करना और उन्हें लागू करना बाकी है।

राज्यों की साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाओं को नई प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ उन्नत नहीं है। क्रिप्टो-मुद्रा से संबंधित अपराध कम रिपोर्ट किए जाते हैं क्योंकि ऐसे अपराधों को हल करने की क्षमता सीमित रहती है। अधिकांश साइबर अपराध प्रकृति में ट्रांस-नेशनल हैं और अतिरिक्त-क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के साथ हैं। भारत की क्रमशः 48 और 12 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियाँ और प्रत्यर्पण व्यवस्थाएँ हैं। साइबर कमियों से संबंधित समस्याओं की देखते हुए भारत के न्यायालयों ने संज्ञान भी लिए है जैसे- अर्जुन पंडित राव खोतकर बनाम कैलाश कुषाणराव गोरंट्याल और अन्य मांमले में कोर्ट ने माना कि भारतीय साक्ष्य (आईई) अधिनियम की धारा 65 बी (4) के तहत एक प्रमाण पत्र (द्वितीयक) इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की स्वीकार्यता के लिए एक अनिवार्य शर्त है यदि मूल रिकॉर्ड उत्पादित नहीं हो सका। नूपुर तलवार बनाम स्टेट ऑफ यू.पी. में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने देखा कि भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-आईएन) विशेषज्ञ को यह साबित करने के लिए इंटरनेट लॉग, राउटर लॉग और लैपटॉप लॉग का विवरण प्रदान नहीं किया गया था कि क्या उस घातक रात में इंटरनेट भौतिक रूप से संचालित था।

पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था राज्य सूची में होने के कारण, अपराध की जांच करने और आवश्यक साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का प्राथमिक दायित्व राज्यों का है। जैसा कि अप्रैल 2016 में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में हल किया गया था, जुलाई 2018 में मसौदा नियमों को तैयार करने के लिए एक पांच-न्यायाधीशों की समिति का गठन किया गया था जो डिजिटल साक्ष्य के स्वागत के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकता था। चूंकि अब एक अत्याधुनिक नेशनल साइबर फोरेंसिक लैब और दिल्ली पुलिस का साइबर प्रिवेंशन, अवेयरनेस एंड डिटेक्शन सेंटर है, इसलिए राज्यों को उनकी प्रयोगशालाओं को अधिसूचित करने में पेशेवर मदद का विस्तार हो सकता है। अधिकांश सोशल मीडिया अपराधों में, आपत्तिजनक वेबसाइट या संदिग्ध के खाते को तुरंत ब्लॉक करने के अलावा, अन्य विवरण विदेशों में बड़ी आईटी फर्मों से जल्दी सामने नहीं आते हैं। इसलिए, डेटा स्थानीयकरण को प्रस्तावित व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून में शामिल किया जाना चाहिए। केंद्र और राज्यों को साइबर अपराध की जांच की सुविधा के लिए न केवल मिलकर काम करना चाहिए और वैधानिक दिशानिर्देश तैयार करना चाहिए, बल्कि बहुप्रतीक्षित और आवश्यक साइबर बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता है।

राज्य सरकारों को साइबर अपराध से निपटने के लिए पर्याप्त क्षमता का निर्माण करना चाहिए, प्रत्येक जिले या रेंज में एक अलग साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित करके या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी होने के द्वारा किया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 यह जोर देता है कि अधिनियम के तहत दर्ज अपराधों की जांच एक पुलिस अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए जो एक निरीक्षक के पद से नीचे का न हो। चूंकि जिलों में पुलिस निरीक्षकों की संख्या सीमित है, और अधिकांश क्षेत्र की जांच उप-निरीक्षकों द्वारा की जाती है। इसलिए, अधिनियम की धारा 80 में एक उपयुक्त संशोधन पर विचार करना और उप-निरीक्षकों को साइबर अपराधों की जांच करने के लिए योग्य बनाना व्यावहारिक होगा।

प्रत्येक जिले या रेंज में एक अलग साइबर-पुलिस स्टेशन स्थापित करना, या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारी,

आवेदन, उपकरण और बुनियादी ढांचे के परीक्षण के लिए क्षमताओं और क्षमता का निर्माण करने की तत्काल आवश्यकता है। %डेटा स्थानीयकरण% को प्रस्तावित व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून में शामिल किया जाना चाहिए ताकि प्रवर्तन एजेंसियों को संदिग्ध भारतीय नागरिकों के डेटा तक समय पर पहुंच प्राप्त हो सके।

चीनी मुसलमानों की दुर्दशा

संयुक्तराष्ट्र संघ की मानव अधिकार परिषद ने चीन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उसकी ताजा रपट में उसने बताया है कि चीन के शिन च्यांग (सिंक्यांग) प्रांत के लगभग दस लाख उइगरों को यातना शिविरों में बंद करके रखा हुआ है। ये उइगर मुसलमान हैं। ये दिखने में भी चीनियों से अलग दिखते हैं। उनका सिंक्यांग प्रांत हमारे लद्दाख से लगा हुआ है। सैकड़ों सालों से पैदल रास्ते चीन जानेवाले और वहां से आनेवाले व्यापारी, विद्वान, यात्रीगण इसी रास्ते से आया जाया करते थे। उइगरों का यह क्षेत्र सदियों से चीनी वर्चस्व के बाहर रहा है। कम्युनिस्ट शासन की स्थापना होने के पहले इस उइगर-क्षेत्र में आजादी का आंदोलन चलता रहा है लेकिन जब से चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित हुआ है, उइगर मुसलमानों को बड़ी बेरहमी से दबाया गया है। कुछ उइगर नेताओं और व्यापारियों को अपना हथियार बनाकर चीनी सरकार उन पर निरंतर जुल्म करती रहती है।

संयुक्तराष्ट्र संघ की लंबी रपट में ठोस तथ्य और तर्क देकर बताया गया है कि चीन के ये मुसलमान गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी जनसंख्या न बढ़े, इसलिए उनकी जबरन सामूहिक नसबंदी कर दी जाती है। उनकी मस्जिदों पर ताले ठोक दिए जाते हैं। वहां मदरसे नहीं चलने दिए जाते हैं। इस्लामी देशों के प्रचारकों को वहां घुसने भी नहीं दिया जाता है। उनकी वेशभूषा और नाम भी बदलने की कोशिश बराबर जारी रहती है। उइगर बच्चों के स्कूलों में चीनी भाषा अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती है।

शिंनच्यांग प्रांत में कम्युनिस्ट पार्टी का शिंकजा इतना कड़ा है कि जो उइगर मुसलमान उसके पदाधिकारी हैं, वे चीनियों की नकल भर बने रहते हैं। सिंक्यांग प्रांत की राजधानी उरुमची और अन्य शहरों व गांवों में मुझे घूमने-फिरने और आम आदमियों से खुलकर बात करने का मौका मिला है। कई उइगरों से पेइचिंग और शांघाई में भी मेरा खुलकर संवाद हुआ है। वे अपने आप को चीनी कहने में ही संकोच करते हैं। सिंक्यांग में मैंने जैसी गरीबी देखी, वैसी दुनिया के बहुत कम देशों में देखी है।

वहां की कई महिलाओं ने शिकायत की कि चीनी लोग उनके साथ काफी बुरा बर्ताव करते हैं। राजधानी उरुमची में पाकिस्तानी छात्रों की भरमार रहती है। चीनी सरकार उन्हें लगभग मुफ्त में मेडिकल की शिक्षा देती है लेकिन उसे यह डर भी लगा रहता है कि इन इस्लामी पाकिस्तानियों के जरिए अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुस्लिम राष्ट्रों के आतंकवादी कहीं सिंक्यांग में अपना अड्डा न बना लें।

ये उइगर लोग भारत और पाकिस्तान को बहुत प्यार करते हैं लेकिन देखिए उनकी बदक़िस्मती कि इन दोनों देशों के नेता उइगरों के मुद्दे पर मौन धारण किए रहते हैं। अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्र जब मुंह खोलते हैं, चीन उन पर निहित स्वार्थ और दुश्मनी का आरोप लगाता है। चीनी सरकार ने संयुक्तराष्ट्र की इस ताजा रपट को भी यही कहकर रद्द कर दिया है।

-वेद प्रताप वैदिक-

हकीकत दम तोड़ गई

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

बड़ी शिद्दत से बनाया था जिस
तस्वीर को
किसी कोने में वो पड़ी रह गई
चमचमाती दुनिया की चकाचौंध में
हकीकत कहीं दम तोड़ गई
छुपा था उस तस्वीर में
दिल से जुड़ा एक ऐसा जहां
हरियाली की छांव में
चहक रहे थे पक्षी जहां
सूरज की किरने पंख पसारे
फैल रही थी चारों ओर
सौंदर्य प्रकृति का निखर रहा था
उज्जवलता का रूप लिए
कल कल धारा बहती नदी की
शीतलता का वेग लिए
कस्तूरी की गंध समेटे
विचर रहे थे मृग जहां
कोयल की कूक में
नाच रहा था मोर जहां
दिल की धड़कन चल रही थी
आनंद उल्लास विभोर में
हुआ युग परिवर्तित
लिया रुख मॉडर्न आर्ट ने
हकीकत कहीं दम तोड़ गई
चमचमाती दुनिया की चकाचौंध में
बड़ी शिद्दत से बनाया था जिस
तस्वीर को
किसी कोने में पड़ी रह गई

शीश झुकाते

सोमेश देवांगन
कबीरधाम
छत्तीसगढ़

जल पीकर जो
हल के लिए जल जाते,
सह जाता सबकुछ
तब शिक्षक कहलाते।
अज्ञानता अंधकार
कुरुप रूप धर आये,
ज्ञान के प्रकाश पुंज को
गुरु तब फैलाते।
फैलाते रौशनी जब
अपने देह को जलाते,
उन गुरुओं के सामने
अपना शीश झुकाते।
बंजर सी धरती पर
ज्ञान हरियाली उगाते,
सूखे सारंगो पर
पकड़ सौरभ वो भर जाते।
दीपक बाती घृत तेल
खुद बनकर वह तो,
प्रकाश फैला अपने नीचे
अंधियारी लाते।
जो संस्कारों की
मीठी टोकरी हमें दे जाते,
उन गुरुओं के सामने
अपना शीश झुकाते।
पग पग पथ जब
कठिन कठिनाइ है आते,
आस लगा अपने
गुरुओं के पास है जाते।
वो कांटों पर बिछा देते
अपनी हथेलियां,
काट के कठिन वो
सरल रास्तें है बनाते।
खुद की खूबियां छोड़कर
हम पे जा लुटाते,
उन गुरुओं के सामने
अपना शीश झुकाते।

देश में एक बैंक खाता ऐसा भी हो

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

देश का एक बैंक का खाता एसा भी हो , ये विचार तब आया दिल में जब मैं समाज सेविका के रुप में कार्यरत हो , अपनी तरफ से समाज को , हर एक मुमकिन सेवा देने के लिए सदैव प्रयासरत रहती हूं , मैं समाज सेवा के अंतर्गत हमारे देश के हर राज्य में जहां अस्पतालों में मरीजों को किसी भी बिमारी के अंतर्गत खून की कमी हो जाती ओर खून कि जरुरत होती तो अपनी ओर से प्रयासरत हो हर संभव कोशिश करती की मरीज़ को किसी के भी सहयोग से खून मिले और उसको एक नया जीवन दान मिल सके , परंतु बहुत बार हमारे पास बहुत से एसे मरीजों के केस आते जिसके अंतर्गत मरीज़ के इलाज के लिए लाखों , करोड़ों रुपए लगने होते हैं और वह लोग हमसे आर्थिक सहायता की भी उम्मीद लगाते हैं । कभी-कभी तो इतने छोटे-छोटे मासूम बच्चों की तस्वीरें आ जाती है जोकि वेंटिलेटर पर होते हैं और उनके माता-पिता हमसे अपने बच्चे को बचाने के लिए आर्थिक सहायता मांगते हैं तस्वीरें देखकर हमारा दिल विचलित हो जाता है मन में दुख इस बात का रहता है कि हम चाह कर भी कुछ नहीं कर सकते क्योंकि हमारे खुद के हाथ बंधे हुए हैं हम सभी समाज सेवी भी मध्यमवर्गीय परिवार से हैं जो समाज सेवा के लिए तत्पर तैयार रहते हैं परंतु आर्थिक सहयोग नहीं कर पाते हैं , आंसूओं से भर असहाय हम बस बच्चे कि कुशलता के लिए दुआएं ही दे पाते हैं , तब मन में एक विचार आया कि देश के अंतर्गत ही देश में एक ऐसा खाता हो बैंक में , जो ऐसे जरूरतमंदों की सेवा करने के लिए सदैव तत्पर हो जहां पर वैधानिक तरीके से पूरी जांच परख के बाद ऐसे लोगों की सहायता की जा सके जिसके अंतर्गत छोटे-छोटे बच्चे बड़े सभी को सुविधा उपलब्ध हो सके आप ही सोच रहे होंगे कि यह कैसे संभव है? संभव है बिल्कुल संभव है हमारे भारत देश की जनसंख्या इस समय वर्ष 2022 में 140 करोड़ के आसपास है , इस जनसंख्या के आंकड़े में से एक तिहाई लोग एकदम गरीबी रेखा के नीचे आते हैं एक तिहाई वर्ग को छोड़कर , शेष तीन तिहाई लोग कुछ मध्यमवर्गीय तो कुछ बहुत ही संपन्न रुप से संपन्न होते हैं , गरीबी रेखा के नीचे के लोगों को छोड़कर यदि हम देश की जनसंख्या का आकलन करेंगे तो जो तीन तिहाई लोग हैं वह यदि प्रतिदिन अपने घर के प्रत्येक सदस्य के नाम पर मात्र एक रुपए इस खाते में जमा करते हैं तो प्रतिदिन देश के खाते में करोड़ों रुपए जमा हो जाएंगे , यदि इसी तरह प्रतिदिन करोड़ों रुपए जमा होते गए तो अरबों रुपए हो जाएंगे और यह राशि 1 महीने के अंदर ही इतनी अधिक हो जाएगी कि इसका फायदा गंभीर रूप से ग्रस्त बीमार मरीजों को उपलब्ध करवाया जा सकता है यदि आज हम बाजार में भी निकलते हैं और हम कुछ भी किसी ठेले वाले के पास भी खड़े होकर खा पी लेते हैं तो हम कितने रुपए खर्च कर देते हैं और उसको तो हम गिनती में भी नहीं लेते हैं , यदि मान लीजिए किसी परिवार में 5 लोग हैं तो उसे मात्र ₹5 इस देश के खाते में जमा करने पड़ेंगे । समाज सेवा के लिए हाल ही में एक केस आया था हमारे पास छोटे से बच्चे का जिसमें एक बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए विदेश से एक इंजेक्शन मंगवाना था जिसकी कीमत 16 करोड़ थी यदि हमारे देश की जनता प्रति व्यक्ति के नाम पर प्रतिदिन एक रुपए दान करती है तो आप सोचिए कि 1 दिन में खाता 100 करोड़ रूपये से ऊपर चला जाएगा , 100 करोड़ की आय से मात्र 16 करोड निकालकर हम किसी बच्चे की जिंदगी को बचा सकते हैं और इसका पुण्यार्थ सिर्फ एक समाज सेवी को नहीं मिलेगा , इसका पुण्य देश के हर एक उस नागरिक को मिलेगा जिसने देश के खाते में समाज सेवा के लिए रोज ₹5 दान किए , यदि किसी घर में भी 10 सदस्य हैं तो वह प्रति व्यक्ति ₹10 भी देगा तो उसे नहीं अखरेगा । अपनी आय में से ₹10 देना सबके लिए आसान हो जाएगा या जितने सदस्य हो उतने रुपए देना आसान हो जाएगा , मैंने कई बार ऐसे केस भी देखे हैं जिसमें लोग एक ही केस के पीछे हजारों रुपए दान दे देते हैं अगर किसी जरूरतमंद को ही हम एक परिवार के पांच सदस्यों के द्वारा दान किये ₹5 से 5 मरीजों को मदद दिलवा सकते हैं तो हमारे पूरे खाते में सिर्फ एक मरीज की दुआएं नहीं लिखी जाएगी । बल्कि 5 मरीजों की दुआएं लिखी जाएगी मन में जो विचार था उसे आप सभी देशवासियों के साथ साझा किया कुछ लोगों को मानती हूं मेरा विचार पसंद आएगा और कुछ लोग इसके विपक्ष में भी जाएंगे परंतु समाज सेविका के साथ -साथ लेखिका भी हूं , अपने जज्बात दिल में नहीं दबा सकती क्योंकि उस समय मेरे आंख से आंसू नहीं रुक रहे थे जब एक 13 साल का बच्चा लखनऊ के अस्पताल में आर्थिक तंगी के कारण दम तोड़ दिया विवश मॉ सिर्फ हाथ उठा-उठा कर अपने बच्चे बचाने के लिए हम समाज सेवियों से गुहार कर रही थी और हम लोग आर्थिक रूप से अक्षम थे चाह कर भी हम कुछ ना कर पाए । यदि देश का एक खाता ऐसा होता तो हो सकता था हमारे देश की सम्मानित सरकार के द्वारा ही जनता के किये दान से , सहयोग दिलवाकर एक मां की गोद को उजड़ने से बचा सकती थी इस समय लिखते हुए भी आंखें भर आई है परंतु अपने जज्बातों को अपनी कलम में भर आंसुओं को स्याही बना कागजों पर उड़ेल दिया हो सकता है कि आपके मात्र प्रतिदिन प्रति व्यक्ति एक रुपए के दान से लाखों लोगों की जिंदगियों को बचाया जा सके । सच एक खाता ऐसा भी हो जिसमें देश की समस्त जनता सेवा देकर अपना दुआओं का खाता भर सके।

सुशासन बाबू की नई सरकार क्या जंगलराज ?

भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाये जाने एवं महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी देने के नाम पर गहरा सन्नाटा पसरा है, कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है ।

बिहार में नई सरकार में कानून मंत्री बने राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कार्तिकेय सिंह है । जिन्हें पटना के दानापुर में अदालत के सामने समर्पण करना था, मगर ये राजभवन में शपथ लेने पहुंच गये । बिहार में नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के तौर पर जाना जाता है जिन्होंने राज्य में अपराध के खात्मे की घोषणा के बूते ही अपने राजनीतिक कद को ऊंचा किया । लेकिन ताजा उलटफेर में जिन लोगों को मंत्रिमण्डल में शामिल किया गया है, उनमें से कई पर लगे आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल में जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, ये हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते है ? गौरतलब है कि 2014 में कार्तिकेय सिंह सहित सत्रह अन्य लोगों पर पटना के बिहटा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था । कार्तिकेय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक बिल्डर को मारने के मकसद से अपहरण की साजिश रची थी । यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ-सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने का सवाल उभर जाता है । सवाल है कि क्या नीतीश कुमार अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गम्भीर हैं ? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा ? आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का । यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं । हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन स्थापित करेंगे ? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे ? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद नीतीश कुमार के उन दावों की क्या विश्वसनीयता रह जाती है कि ये बिहार को अपराध और भ्रष्टाचार से मुक्त कराएंगे ? बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा ? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया । लाखों के लिये अनुकरणीय बने, आदर्श बने । चाहे आजादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम कर दिया था । महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी । गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया । ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिये । इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही । लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया । राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं । वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा । दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा । अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्टा पर विराम लगाना ही होगा । दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी- ये गम्भीर मसले हैं । राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिये । सभी अपनी अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं । कोई पैसे से, कोई अपनी सुन्दरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं । राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं । जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती हैं । पर हम कितना भ्रम पालते हैं । पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती । बाकी सब अस्थायी है । चरित्र एक साधना है, तपस्या है । जिस प्रकार अहं का पेट बढ़ा होता है, उसे रोज कुछ न कुछ चाहिए उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज संरक्षण चाहिये और यह सब दृढ़ मनोबल साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है ।

-अजय दीक्षित-

दक्षिण एशियाई नेताओं का कल्ट और संकट

दक्षिण एशिया के देशों में भी राहु काल बना हुआ है। ज्यादातर आजाद देशों ने लोकतंत्र से शुरुआत की थी। परंतु अनेक देशों में ज्यादा समय तक लोकतंत्र की रोशनी कायम नहीं रह सकी। कई देशों में लोकतांत्रिक तानाशाही देखने को मिली तो कई देशों में सैनिक तानाशाही बनी। कई देशों में धार्मिक कट्टरता की वजह से अराजकता के हालात बने। अब दक्षिण एशिया के ज्यादातर देशों में शासन कर रहे नेताओं का अपना कल्ट बना है। वे लोकतंत्र के मान्य सिद्धांतों से ऊपर हैं। उनकी लोकप्रियता ने उनको जिद्दी और कट्टर बनाया है। उनके नाम पर ध्रुवीकरण है। उन्होंने अपनी जिद में फैसले किए और उनकी वजह से देशों को बड़े संकट का सामना करना पड़ा।

सबसे बड़ा देश भारत है। पिछले आठ साल से भारत में 56 इंच की छाती वाले नरेंद्र मोदी का ऐसा कल्ट बना है, जैसा किसी और नेता का पहले कभी नहीं बना। आजादी के बाद नेहरू सहज भाव से सबसे लोकप्रिय नेता थे। किसी और कि छवि बिगाड़ कर या अपना प्रचार करके उन्होंने कल्ट नहीं बनाया था। भारत में प्रचार के दम पर केवल मोदी का कल्ट बना है। वे अपने इलहाम में फैसले कर रहे हैं और प्रचार के दम पर हर फैसले को सही ठहरा रहे है। नोटबंदी से लेकर, हड़बड़ी में जीएसटी लागू करने और अभी चीन की विस्तारवादी नीतियों पर चुप्पी भारत के लिए आत्मघाती साबित हो रही है। उनका 'माचो मैन' की छवि बनाई गई है। प्रचार किया जाता है कि उन्होंने पाकिस्तान और चीन की बोलती बंद करा दी है। महंगाई बढ़ती है तो सोशल मीडिया में प्रचार होता है कि 'शेर पाला है तो उसका खर्च उठाना होगा'। उनकी छाती 56 इंच की है, वे माचो मैन हैं, वे शेर हैं। उनकी पार्टी के बड़े नेता बताते हैं कि दुनिया में कोई भी फैसला मोदीजी से पूछे बगैर नहीं होता है। उनके नेता बताते हैं कि मोदीजी ने भारतीयों को यूक्रेन से निकालने के लिए युद्ध रूकवा दिया था।

सोचे इस विशाल कल्ट के निर्माण का भारत को क्या मिला है? महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। अस्सी करोड़ लोग पांच किलो अनाज पर पल रहे हैं। सांप्रदायिक सद्भाव ऐसा बिगड़ा है कि हर गांव में पाकिस्तान बनाने का जिन्ना का सपना साकार होता दिख रहा है। भारत की सीमा पर चीन के घेराबंदी की है सारी दुनिया सेटेलाइट की तस्वीरों के जरिए कह रही है लेकिन हमारा शेर कहता है कि न कोई घुसा है न कोई घुस आया है। लोग अपने शेर की बात म

मंगल मूर्ति मोरिया के जयकारों के साथ हाथी पखना महामाया पहाड़ में...

भगवान गणेश की आरती उतारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक गणेश स्थापना समिति अंबिकापुर द्वारा हाथी पखना महामाया पहाड़ पर गणपति धाम में महा आरती का आयोजन किया गया। गणपति बप्पा मोरिया, मंगल मूर्ति मोरिया के जयकारों के साथ भगवान गणेश की आरती उतारी गई और इस दौरान जन कल्याण की कामना की गई। प्राकृतिक सुंदरता का द्योतक गणपति धाम हाथीपखना महामाया पहाड़ी पर भजन और आरती की गूंज पर भक्त झूमते थिरकते रहे। आयोजक समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने बताया कि गणपति धाम की प्राचीन मान्यता है, यह जगह प्रभु श्री राम के वन गमन

पथ का एक हिस्सा रहा है और इस जगह पर प्रभु श्री राम ने गणेश जी का आह्वान किया था तब से यह जगह आस्था का केंद्र रहा है और हम सब गणपति भक्त वर्षों से यहां भगवान गणेश जी के मूर्ति की स्थापना करते हैं और बड़े हर्षोल्लास के साथ पूजा की जाती है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष लालन प्रताप सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव,अंबिकेश केसरी, , प्रवीण गुप्ता, जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, अभिषेक शर्मा, संतोष दास, रूपेश दुबे, मधुसूदन शुक्ला, विश्व विजय सिंह तोमर, गोल्डी बिहारे, मंजूषा भगत, मधु चौदहा, अरुणा सिंह, सिद्धार्थ मिश्रा, विकास पांडे, दीपक सिंह तोमर ,जन्मजेय मिश्रा, पार्षद प्रमोद चौधरी अमित सिंह देव राजीव अग्रवाल हरमिंदर टिन्नी मनीष सिंह डॉक्टर गहरवार सर्वजीत पाठक निलेश सिंह सर्वेश तिवारी अनीश सिंह शरद सिन्हा धीरज सिंह संजय त्रिपाठी दिवस दुबे दीतेश राय रोहित कुशवाहा सक्षम गुप्ता दीपक यादव अजय सिंह हर्ष जयसवाल विकास शुक्ला मनीष दुबे अभिषेक श्रीवास्तव विनल गुप्ता रमन सरदार रोनी मिश्रा सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर अभाविप ने किया शिक्षकों का सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर के कार्यकर्ताओं द्वारा बीते दिन, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती व शिक्षक दिवस के अवसर पर संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के कुलपति व अंबिकापुर के विभिन्न महाविद्यालय जैसे शासकीय राजमोहनी देवी कन्या महाविद्यालय, साईं बाबा महाविद्यालय, सरस्वती महाविद्यालय व महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्राचार्य को शिक्षक दिवस के अवसर पर पुष्पगुच्छ एवं श्रीफल देकर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गई, इस अवसर पर अभाविप के प्रांत सह संगठन मंत्री महेश साकेत जी, विभाग संयोजक सूर्यकांत सिंह, नगर कोष प्रमुख उज्जवल तिवारी, नगर महाविद्यालय प्रमुख आर्यन गुप्ता व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अफताब सिद्धकी उर्फ छोटू ने ली आप की सदस्यता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। मोमिनपुर अम्बिकापुर निवासी अफताब सिद्धकी उर्फ छोटू को आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। जिलाध्यक्ष सरगुजा कुंज बिहारी सिंह पैकरा द्वारा पार्टी का टोपी पहना कर सदस्यता ग्रहण करवाया गया। सदस्यता ग्रहण के पश्चात इनको बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए पार्टी के जिम्मेदारी कुछ समय बाद दी जाएगी जो पार्टी की रणनीति सुझाव को आगे चलाने में सहयोग करेंगे।

भारतेन्दु जयन्ती के आयोजन 9 सितंबर को

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। भारतेन्दु साहित्य एवं कला समिति सरगुजा की विशेष बैठक वरिष्ठ साहित्यकार एवं समालोचक बबनजी पांडेय के निवास पर आयोजित कर 9 सितम्बर को भारतेन्दु जयन्ती के आयोजन की रूप रेखा तय की गई । भारतेंदु जयंती स्थानीय भारतेंदु भवन में 9 सितम्बर 2022 को सायं 5.30 बजे से मनाया जायेगा। जिसमें प्रबुद्धजनों द्वारा भारतेन्दु के वयक्तित्व एवं कृतित्व पर व्याख्यान के साथ पत्रिका गागर का विमोचन तथा निज भाषा में काव्य पाठ के आयोजन का निर्णय लिया गया । आयोजन में साहित्य प्रेमियों को अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है ।बैठक में डॉक्टर सुदामा मिश्र, बब्बनजी पांडेय,मदनमोहन मेहता,भगत सिंह विहँस,डॉ सुधीर पाठक,प्रकाश कश्यप अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

सफाई कर्मियों को दिया गया सुरक्षा मानकों के साथ काम करने का प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। सफाई मित्र सुरक्षित शहर बनाने हेतु मंगलवार को नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई ने किया। यह प्रशिक्षण 4 दिवस तक डाटा सेंटर में चलेगा। इस प्रशिक्षण में सेप्टिक एवं नाली सफाई कार्य में लगे सफाई कर्मचारियों को सफाई कार्य के दौरान सुरक्षा के संबंध में नगर निगम अंबिकापुर एवं यूनिसेफ के तत्वाधान में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यूनिसेफ के विषय विशेषज्ञ द्वारा सफाई कार्य के दौरान होने वाले संभावित दुर्घटना से बचाव, सफाई सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग एवं सफाई संबंधी विभिन्न नियम,सुरक्षा मानकों के संबध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि सैप्टिक टैंक एवं नालियों की सफाई के दौरान सफाई कर्मियों को कई बार सुरक्षा सम्बंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस प्रशिक्षण से उन्हें सुरक्षा उपायों को ध्यान में रख कर काम करने की जानकारी मिलेगी।

भारत जोडो यात्रा की शुरुआत को लेकर कार्ययोजना पर विस्तार से हुई चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। भारत जोडो यात्रा के संदर्भ सरगुजा जिले में सम्पादित होने वाली गतिविधियों के सदर्भ में बैठक मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में संपन्न हुई। मिटिंग में भारत जोडो यात्रा की शुरुआत के समय के लिये जारी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। मिटिंग की शुरुआत में सरगुजा जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता के द्वारा दी गयी। उन्होंने बताया कि भारत जोडो यात्रा की पूरी अवधि में सभी विकासखंड में 15 दिनों की पदयात्रा होगी। प्रारंभ में दिनांक 8, 9 एवं 10 सितंबर को यात्रा अनिवार्य रुप से होगी। इसके उपरांत शेष 12 दिनों की यात्रा हेतु ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां अपने अपने क्षेत्र में कार्ययोजना बनायेंगी। यात्रा के दौरान सभी पोलिंग बूथ एवं उसके समस्त मतदाताओं से संपर्क कर उनसे देश में व्याप्त महंगाई, बेरोजगारी जैसी समस्या पर चर्चा कर उनका मत प्राप्त किया जायेगा। साथ ही उनसे स्थानीय समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर निदान का

प्रयास किया जायेगा। इन 15 दिनो के अतिरिक्त ब्लॉक कमेटियां भारत जोडो यात्रा की 150 दिनों की यात्रा अवधि में स्वैच्छिक रुप से अतिरिक्त यात्रायें भी करना चाहती हैं, तो वो कर सकेंगी। भारत जोडो यात्रा की शुरुआत में 7 सितंबर बुधवार को यात्रा के शुभारंभ के लाईव स्ट्रिमिंग की व्यवस्था जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में किया जायेगा। सभी ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में भी लाईव स्ट्रिमिंग की व्यवस्था की जा रही है। 8 सितंबर से स्थानीय स्तर पर प्रारंभ होने वाली पदयात्रा भारत जोडो यात्रा के समय सारणी अनुसार सुबह 7 बजे से 10:30 एवं उसके उपरांत 3 बजे से 6:30 बजे तक होगी। मिटिंग में पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, ब्लॉक कांग्रेस अम्बिकापुर अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, अरुण मिश्रा, अरविंद सिंह, गप्पू मो0 नुरुल अमीन, सत्येन्द्र नाथ तिवारी सहित कई कार्याकर्ताओं ने भी अपने विचार रखे। बैठक में महिला कांग्रेस अध्यक्ष संध्या रवानी, मो0 इस्लाम, गीता श्रीवास्तव, गीता प्रजापति, हेमंत तिवारी, प्रमोद चौधरी, सुधांशु गुप्ता, चित्रा मिश्रा, शकीला सिद्धकी, हमीदा, साधना कश्यप, शांतनु मुखजी, अनूप मेहता, आशीष वर्मा, अशफाक अली, राजनीश सिंह, नितेश चौरसिया, रशीद अहमद असांरी, विरेन्द्र पाठक, मो0 निकी खान, जमील अंसारी, दिनेश शर्मा, पंकज शुक्ला, संदीप सिन्हा, विकास शर्मा, अशोक कुमार जायसवाल सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन का किया गया स्मरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्टपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के 134वें जन्मदिवस के शुभअवसर पर विवेकानंद वॉर्ड क्रमांक 34 में ÷राजीवट्ठमितानट्ठक्लब क्लब÷ के अध्यक्ष व सोशलमीडिया के लोकसभा अध्यक्ष निखिल विश्वकर्मा द्वारा उन्हें स्मरण किया गया 7 उन्होंने कहा वे भारतीयों के लिए हर समय प्रेरणाश्रोत रहेंगे , इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर आए विधायक प्रतिनिधि मदन जायसवाल एवं मोहल्ले के सम्मानित वरिष्ठ नागरिक एवं शिक्षक संतोष गुप्ता ने बच्चों के समक्ष राधाकृष्णन के जीवनयात्रा का अविस्मरणीय वृतांत का वाचन किया और बच्चों को अपनें लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहने की बात कही7 इस दौरान राजीव युवा मितान की उपाध्यक्ष नयनतारा विश्वकर्मा के द्वारा बच्चों को शिक्षक दिवस का महत्व समझाया एवमं बच्चों द्वारा तैयार की गई कविताएं और कहानियों की प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी 7 जिसमें सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के तौर पर कलम दिया गया ,सभी बच्चों में प्रतिभाओं का अंबार था 7 इसके उपरांत डॉ राधाकृष्णन जी के छायाचित्र पर चॉकलेट की माला से माल्यापर्ण एवम पुष्प अर्पित किया गया 7 कार्यक्रम के अंतिम चरण में राष्ट्रगान गाकर भारत माता की जय का उदघोष के साथ कार्यक्रम को सम्पन्न किया गया 7

नशीली कफ सिरप के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। नशीली कफ सिरप के साथ बतौली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नशीली कफ सिरप बेचने के लिए ग्राहक की लाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

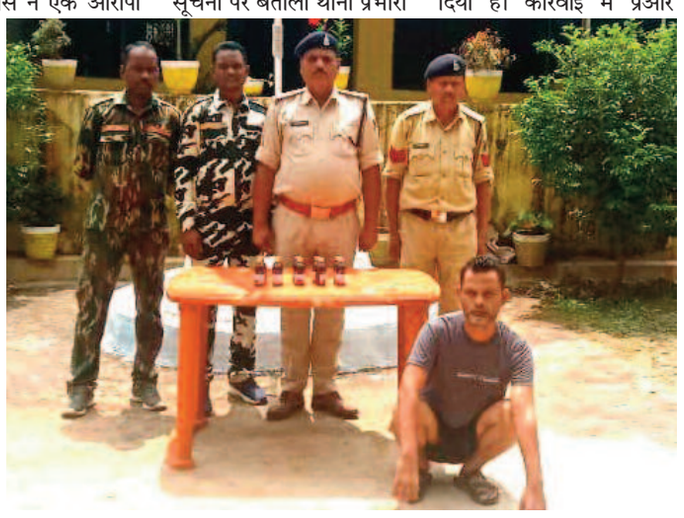

जानकारी के अनुसार बतौली थाना प्रभारी एसआई प्रमोद पांडेय को मंगलवार को मुखबिर से जानकारी मिली की बतौली मेन रोड में एक व्यक्ति सफेद झोला में नशीली कफ सिरप रख कर बेचने के फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर बतौली थाना प्रभारी ने टीम के साथ मौके पर पहुंच कर आरोपी को हिरासत में लेकर झोले की तलाशी ली तो 10 नग नशीली कफ सिरप पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी रिंकेश गुप्ता को गिरफ्तार कर ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में प्रआर देवेन्द्र प्रताप सिंह, रवि शंकर, अशोक भगत, राजेश खलखो, पंकज लकड़ा व पुरेन्दर सिंह शामिल रहे।

शहर से लेकर गांव तक बाइक चोरों के कई गैंग

» एक गैंग को पुलिस पकड़ती है तो दूसरा करने लगता है चोरी

» लगभग हर दिन हो रही बाइक चोरी की घटनाएं,बाइक चोरी की लगातार हो रही घटनाओं को लेकर पुलिस भी चिंतित,कार्रवाई के बावजूद नहीं थम रहीं दोपहिया वाहनों की चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। शहर में वाहन चोरों का गिरोह बेखौफ होकर पलक झपकते ही दोपहिया वाहन लेकर फरार हो जा रहे हैं। इसे लेकर पुलिस भी सकते में है। हालांकि पुलिस द्वारा बाइक चोरी के मामले में लगातार

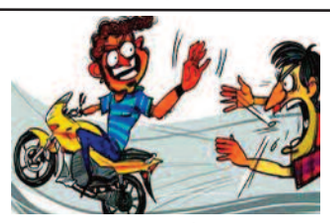

कार्रवाई भी की जा रही है। एक गिरोह को पुलिस पकड़ती है तो दूसरा गिरोह सक्रिय हो जाता है। स्थिति पर नजर डालें तो शहर व ग्रामीण क्षेत्र से लगभग हर दिन बाइक चोरी के मामले सामने आ रहे हैं। बाइक चोरों का कई गिरोह शहर में सक्रिय है, वहीं बाहर से आकर भी संदिग्ध रूम से किराए के मकानों में रह रहे लोग भी ऐसी वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

वनांचल में बसा टापरनाका हुआ बिजली से रोशन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। सरगुज़ा अंचल के लोक पर्व करमा के शुभ दिन पर खनन प्रभवित वनांचल ग्राम फत्तेपुर के आश्रित ग्राम टापरनाका के 21 घर देश की आजादी के बाद पहली बार बिजली से रोशन हुए। पूरे बसाहट में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगो का निवास है। दशकों बाद इस वनांचल बसाहट में बिजली पहुंचने एवं लालटेन जलाने से निजात मिलने से यहां के ग्रामीणों में खुशी व्याप्त है।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की पहल पर टापरनाका में विद्युत विभाग द्वारा विद्युत सप्लाई चालू कर दिया गया है। अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव ने रविवार को टापरनाका पहुंच कर 21 घरों में मीटर कनेक्शन कार्य का अवलोकन किया और विद्युत कर्मियों से मीटरों में विद्युत कनेक्शन करवाया।

सीएसपीडीसीएल के कार्यपालन अभियंता श्री आर नागवंशी ने बताया कि उदयपुर विकासखण्ड के कोयला खनन प्रभावित ग्राम फत्तेपुर के आश्रित ग्राम(बसाहट) टापरनाका में बिजली नहीं पहुंची थी। कलेक्टर के निर्देश पर मुख्यमंत्री मजरा टोला विद्युतीकरण योजना के तहत इस बसाहट में बिजली पहुंचाने का काम शुरू किया गया। बसाहट के लिए पृथक ट्रांसफार्मर लगाए गए है। इस बसाहट में पूरे अनुसूचित जनजाति वर्ग के 26 घर है जिसमे मीटर लगाने व विद्युत कनेक्शन का कार्य किया जा रहा है। रविवार को 21 घरों में मीटर लगाने व विद्युत कनेक्शन का कार्य पूरा हो गया है। शेष 5 घरों में अगले दिन मीटर लगाने का काम पूरा हो जाएगा।

गणेश चतुर्थी व कर्मा त्यौहार को लेकर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन महिलाओं ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

-संवाददाता-
लखनपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। थाना क्षेत्र के ग्राम चैनपुर में गणेश चतुर्थी और कर्मा त्यौहार के उपलक्ष में 6 सितंबर दिन मंगलवार को शिक्षकों के द्वारा महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जहां गांव की महिलाओं ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कबड्डी प्रतियोगिता देखने सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। कबड्डी प्रतियोगिता में कुल 4 टीमों ने भाग लिया जिसमें फाइनल मुकाबला भगवती टीम व सरस्वती टीम के मध्य खेला गया जिसमें भगवती टीम विजेता रही। आयोजन कर्ता शिक्षक देवेंद्र पाल सिंह , महेंद्र प्रसाद सिंह बूंद लाल

सिंह देव प्रसाद सिंह, के द्वारा प्रथम पुरस्कार भगवती टीम को 12 सो रुपए द्वितीय पुरस्कार सरस्वती टीम को ₹800 तो वहीं दो अन्य टीमों को सांत्वना पुरस्कार ₹500 देकर पुरस्कृत किया गया। वही कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले महिलाओं व बच्चों ने आयोजन कर्ताओं को बधाई देते हुए कहां की इस तरह की प्रतिवर्ष गांव में होना चाहिए कबड्डी प्रतियोगिता का ग्रामीण महिलाओं ने आनंद उठाया है। इस संबंध में शिक्षक ने कहां की कबड्डी प्रतियोगिता का उद्देश्य था कि ग्रामीण महिलाएं आगे आएं और खेल के प्रति रुचि ले।

सब देखा पर कोरिया के विभाजन जैसा विभाजन कहीं नहीं दिखा

» असंतुलित विभाजन प्रदेश के मुखिया के लिए भी गले की फांस जैसी साबित हो रही।
» हठधर्मी की तरह विभाजन कभी भी सही नहीं होताःजनता।
» जिला की सीमा तय नहीं पर कार्यालय उद्घाटन की तैयारी पूरी, काफी महत्वपूर्ण आखिर क्यों?
» कोरिया के असंतुलित विभाजन पर चहुंओर उपजा असंतोष फिर भी कोई फर्क नहीं।
» सरकार के प्रति दिख रही नाराजगी, चुनाव पर पड़ेगा असर,बैकुंठपुर समेत चिरमिरी में हुआ जबरदस्त विरोध।
» बचरापोंड़ी क्षेत्र को लेकर असमंजस बरकरार,आनन-फानन में हुआ तहसील का गठन।
» चिरमिरी नगरनिगम के कुछ वार्डो को लेकर भी असमंजस, विकासखंड का बंटवारा छत्तीसगढ सरकार के बस में नहीं।

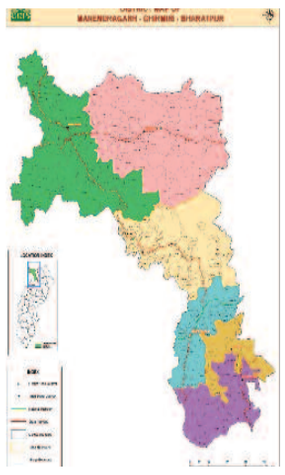

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

हम सभी ने अपने देश के विभाजन को देखा, अपने देश के अंदर कई राज्यों के विभाजन को देखा और राज्यों के अंदर कई जिले के विभाजन को भी देखा पर सभी विभाजनों का आकलन किया जाए तो कभी भी ऐसा विभाजन नहीं हुआ जिससे समस्या उत्पन्न हो जाए, कुछ ऐसा ही कोरिया जिले के विभाजन में देखने को मिल रहा है। देश के विभाजन में जहां एक छोटा टुकड़ा पाकिस्तान और बांग्लादेश को मिला तो वही राज्यों के विभाजन की बात की जाए तो मध्यप्रदेश से विभाजित होकर एक छोटा सा टुकड़ा छत्तीसगढ़ को मिला, बिहार से टूटकर एक छोटा सा टुकड़ा झारखंड बना, उत्तर प्रदेश से टूटकर एक छोटा सा टुकड़ा उत्तराखंड बना पर पुराने राज्यों की बादशाहत जस की तस रही, और पुराने राज्यों में किसी भी प्रकार की गिरावट हुई ऐसा बिल्कुल नहीं देखा गया, ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ कि नए वाले को ज्यादा हिस्सा दिया गया हो, कुछ ऐसे ही बात करें तो छत्तीसगढ़ का सरगुजा जिला जिससे टूटकर एक छोटा सा टुकड़ा कोरिया जिले को मिला, फिर टूटा तो सूरजपुर व बलरामपुर बना, इसके बावजूद सरगुजा सबसे बड़ा जिला माना जाता है, पर अब कोरिया से टूटकर मनेन्द्रगढ़ बनने की बारी आई तो कोरिया से ज्यादा मनेंद्रगढ़ को दिया गया, एक छोटा सा उदाहरण और भी देखें तो शहडोल से टूटकर अनूपपुर बना पर शहडोल आज भी अनूपपुर से बड़ा जिला है, पर कोरिया के विभाजन में इन सब पहलुओं पर गौर क्यों नहीं किया गया? आखिर बिना इन सब पहलुओं पर गौर किए बिना ही कोरिया का विभाजन आज गले की फांस बन गया, इसके बावजूद इस फांस को सुलझाने के जगह इस फ़ांस को उलझाने का प्रयास आखिर क्यों?

विभाजन से खुशी कम विरोध ज्यादा

कोरिया जिले से नवीन जिले को ज्यादा क्षेत्रफल ज्यादा विकासखण्ड व ज्यादा नगरीय निकाय दे दिए गए और देखा जाए तो कोरिया जिला जितना बच सका है वह जिले के काबिल भी है नहीं लगता। कोरिया जिले से आखिर ऐसा सुलूक करने की वजह क्या रही यह कोई नहीं समझ पा रहा है जबकि कोरिया जिले के लोगों ने जिला स्तरीय कुछ कार्यालयों के मनेंद्रगढ़ में स्थापित होने का कभी विरोध नहीं किया और उन्हें स्थापित रहने दिया था, मनेंद्रगढ़ नवीन जिला जो नाममात्र के लिए तीन जगहों के नाम से स्थापित हो रहा है जिनमे दो जगहों चिरमिरी नगर निगम व भरतपुर को कोई फायदा जिला गठन से हो रहा है तो वह केवल जिले के नाम मे उनका नाम मात्र शामिल हो रहा है दूसरा उनको कोई विशेष कोई कार्यालय जिला स्तरीय मिल रहा है ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है। कुल मिलाकर नवीन एमसीबी जिला गठन से केवल मनेंद्रगढ़ वासियों को ही कुछ मिलने जा रहा है। कोरिया जिले के हिस्से कुछ आया तो राजनीतिक रुसवाई वह भी क्यों आई कोई समझ नहीं पा रहा है। जिस तरह का विभाजन किया गया वह पूरी तरह से कोरिया के अस्तित्व को समाप्त करने वाला साबित हो रहा है और कोरिया की पहचान ही समाप्त होने जा रही है। आदिवासी समुदाय के लोगों ने जिला विभाजन के बाद कईबार यह बताने का प्रयास किया अपनी बात रखने का प्रयास किया कि कोरिया जिले की पहचान कोरियागढ़ नामक पहाड़ से है और वह जिले की अस्मिता से जुड़ा विषय है जिसे जिले से अलग नहीं करना चाहिए लेकिन आदिवासी समुदाय की भावनाओं को भी जिला गठन में महत्व नहीं दिया गया और उन्हें भी केवल आश्वासन से ही मौन होना पड़ा।

सत्ताधारी दल के लोगों का मौन होना कोरिया जिले के भविष्य के लिए घातक

कुल मिलाकर जिला विभाजन केवल कोरिया जिले का अस्तित्व समाप्त करने के लिए किया गया यह कहना गलत नहीं होगा। जिला विभाजन में सत्ताधारी दल के लोगों का मौन भी कोरिया जिले के भविष्य के लिए घातक रहा और जारी जिला बचाओ आंदोलन को आश्वासन पर समाप्त कराकर सत्ताधारी दल ने जिले की अस्मिता बचाने का आखिरी प्रयास भी समाप्त करा दिया जो जिले की अस्मिता के लिए और घातक रहा। जारी आंदोलन के टूट जाने से जिले की अस्मिता के लिए लड़ रहे लोगों का मनोबल भी टूटा और वह जिले के लिए लड़ने का मनोबल खो बैठे। अभी भी जिला बचाओ संघर्ष समिति अपने प्रयास कर रही है लेकिन सत्ताधारी दल मौन है। आज स्थिति यह है कि सत्ताधारी दल के मौन रहने की वजह से नवीन जिले की स्थापना होने जा रही है और कोरिया जिलेवासी निराश होकर केवल देख रहें हैं। वैसे यदि बेहतर राजनीतिक प्रयास किये गए होते तो जरूर जिले की सीमाओं में कुछ फेरबदल हुआ होता और इस तरह का असंतुलित विभाजन नहीं हुआ होता। कोरिया जिला अब दो छोटे छोटे विकासखण्ड के साथ प्रदेश के सबसे छोटे जिलों में शुमार होने जा रहा है जहां अवसरों की भी कमी होगी और संसाधन भी कम होंगे। जिलेवासियों के साथ सत्ताधारी दल की तरफ से किया गया यह कुठाराघात बहोत बड़ा है और कोरिया जिले की जनता मौन होकर केवल देख रही है।

15 अगस्त 2021 क्या कोरिया के लिए काल दिन जैसा

15 अगस्त 2021 को छत्तीसगढ की कांग्रेस नीत भूपेश सरकार ने कोरिया से अलग करते हुए मनेंद्रगढ को जिला बनाने की घोषणा कर दी, 1 वर्ष बीत जाने के बाद अब यह जिला अपना मूर्त रूप लेते नजर आ रहा है। प्रदेष के मुखिया भूपेष बघेल स्वयं सप्ताह भर के भीतर मनेंद्रगढ आकर एक भव्य समरोह के रूप में मनेंद्रगढ वासियों को उनकी बहुप्रतिक्षति मांग को पूरा करेंगे। जाहिर सी बात है यह दिन मनेंद्रगढ शहर वासियों के लिए सबसे खुषियों भरा दिन होगा। इससे उलट सरकार की घोषणा पर जिस प्रकार मातृ जिले कोरिया का बंटवारा करते हुए लगभर 70 प्रतिशत हिस्सा नवीन जिले मनेंद्रगढ में शामिल कर दिया गया है उससे कोरिया वासी काफी हताष और निराश है, लोग खुलकर सरकार के विरोध में बात कर रहे हैं, वे भूपेश सरकार द्वारा खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

अभी ऐसा होगा एमसीबी जिले का स्वरूप

वर्तमान में चल रही प्रषासनिक तैयारी पर यदि गौर किया जाए तो नवीन एमसीबी जिले में मनेंद्रगढ, खड़गंवा व भरतपुर विकासखंड शामिल होंगे। इन विकासखंड में शामिल गांव को लेकर सबसे असमंजस की स्थिति बचरापोड़ी क्षेत्र को लेकर है जिसमें कि अभी हाल ही में पोड़ी को सरकार ने तहसील का दर्जा दिया है और इसका प्रकाषन राजपत्र में भी हो चुका है। यहां सत्तापक्ष से जुड़े लोगो का कहना है बचरापोड़ी क्षेत्र कोरिया में ही शामिल रहेगा जिसके लिए ही पोड़ी को तहसील बनाया गया है। लेकिन उन्हे यह मालूम होना चाहिए कि भले ही पोड़ी को तहसील बना दिया गया है जिस आधार पर सत्ता दल के लोग इस क्षेत्र को कोरिया जिले में शामिल होने का दावा कर रहे है। लेकिन इस तहसील के गांव खड़गवां विकासखंड मे शामिल है। विकासखंड से पोड़ी तहसील के गांव को अलग करना प्रदेष सरकार के हाथ में नही है।

यह कैसा विभाजन की मातृ जिले को हुआ नुकसान

देश में जब भी किसी प्रदेश का विभाजन हुआ या कि प्रदेश में किसी जिले का, ऐसा कभी देखने सुनने को नही मिला कि इस विभाजन में मातृ प्रदेश या जिले को छोटा कर दिया गया हो। बात यदि छत्तीसगढ की तरफ हो तो आज भी उसका मातृ राज्य मध्यप्रदेश छत्तीगढ की तुलना में काफी बड़ा है। इसी प्रकार अन्य प्रदेशो मे भी बंटवारा हुआ लेकिन मातृ राज्य आज भी बड़ा ही है। इसी प्रकार प्रदेष में ही देखा जाए तो राज्य गठन के बाद अनेक जिले का निर्माण हुआ है लेकिन सभी में मातृ जिला आज भी नए जिले की तुलना में बड़ा ही है। राज्य गठन के पूर्व जब 1998 में सरगुजा से अलग करते हुए कोरिया जिले का गठन किया गया तो सरगुजा मातृ जिला भी नवगठित कोरिया की तुलना में लगभग 70 प्रतिशत बड़ा था। यह बात स्थानीय लोगो के समझ नही आ रही है कि आखिर में सरकार ने ऐसा असंतुलित विभाजन कैसे कर दिया जिसमें कि लगभग 70 प्रतिषत हिस्सा नवीन एमसीबी जिले में शामिल कर दिया गया है, और मात्र 30 प्रतिशत हिस्सा कोरिया जिले में रखा गया है।

बचरापोंड़ी क्षेत्र बना चर्चा का विषय

वर्तमान में कोरिया जिले का अभिन्न अंग बचरापोड़ी क्षेत्र को लेकर चर्चा जोरो पर हैं वह इसलिए भी क्योंकि यह क्षेत्र बैकुन्ठपुर विधानसभा में शामिल है। सरकार ने कुछ दिन पूर्व पोड़ी को तहसील बना दिया है जिससे लोगो को और खासकर सत्ताधारी दल के लोगो को लगने लगा है कि बचरापाड़ी क्षेत्र कोरिया में ही शामिल रहेगा। लेकिन इस बारे में शासन की ओर से अभी कुछ भी स्पष्ट नही है। वैसे भी बचरापोड़ी क्षेत्र के अधिकांष गांव के लोग कोरिया जिले में ही रहना चाहते हैं लेकिन सरकार की नीति उनके समझ नही आ रही है।

चिरमिरी वासी कर रहे जिला मुख्यालय की मांग

मनेंद्रगढ को जिला बनाने की घोषणा के साथ ही चिरमिरी वासी लगातार विरोध प्रदर्षन के माध्यम से जिला मुख्यालय चिरमिरी को ही बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। क्रमिक धरना प्रदर्षन,आंदोलन के माध्यम से यहां के निवासियों ने शासन तक अपनी बात पहुंचाई है। यही नही चिरमिरी के अनेक युवा पिछले वर्ष जिला मुख्यालय की मांग को लेकर राजधानी रायपुर तक पैदल मार्च भी कर चुके हैं। लेकिन उनकी आवाज को आज तक नही सुना गया है। इस बारे में शासन की ओर से एक भी बयान आज तक नही आया जिससे कि चिरमिरी वासी सरकार के प्रति काफी नाराज हैं।

नगर निगम चिरमिरी के कई वार्ड बैकुंठपुर विकासखंड में

जिस प्रकार बचरापोड़ी क्षेत्र के गांव जो कि खड़गंवा विकासखंड में शामिल हैं उसी प्रकार चिरमिरी नगर निगम के 8 वार्ड बैकुंठपुर विकासखंड में शामिल है उसे लेकर नवीन एमसीबी जिले में पेंच फंसा हुआ है। यह तय है कि नगर निगम चिरमिरी का पूरा क्षेत्र एमसीबी जिले का हिस्सा होगा लेकिन निगम में 8 वार्डो के लोग भ्रम की स्थिति में हैं अभी तक यह तय नही है कि वे वार्ड किस प्रकार बैकुंठपुर विकासखंड से अलग होंगे या वे कोरिया जिले मे ही शामिल रहेंगे। सरकार द्वारा इस पर अभी तक कोई ठोस निर्णय नही लिया गया है जबकि बहुत जल्द ही एमसीबी जिले का शुभारंभ किया जाना है।

सरकार ने नही किया है जिले की सीमा का अंतिम प्रकाशन

प्रदेश सरकार ने वाहवाही बटोरने के लिए भले ही एमसीबी जिले का गठन कर दिया हो लेकिन आज तक इस जिले की सीमा का निर्धारण नही किया गया है। सीमा का निर्धारण किए बगैर जिले का शुभारंभ लोगो की समझ से परे है और लोग इसे सरकार की हठधर्मिता बता रहे है।

क्या टीएस-भूपेश की लड़ाई का खामियाजा भुगत रहे कोरिया वासी-

प्रदेश में यह जगजाहिर है कि मुख्यमंत्री भूपेष बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव दो अलग-अलग ध्रुव हैं। दोनो एक दूसरे के राजनैतिक रूप से विरोधी माने जाते हैं समय समय पर स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सरकार के विरोध में बयान देना उनके विरोधी होने को और बल देता है। चुंकि बैकुंठपुर विधायक और संसदीय सचिव टीएस समर्थम मानी जाती हैं समय पड़ने पर वे उनके साथ खड़ी भी दिखाई देती हैं, अब ऐसी स्थिति में स्थानीय लोगो का कहना है कि स्थानीय विधायक का टीएस समर्थक होना भी कोरिया वासियों के लिए हानिकारक है। दोनो बडे नेताओं की लड़ाई में ही कोरिया का विभाजन कर दिया गया है। जिसका असर यहां के प्रत्येक नागरिकों पर पड़ा है।

दावा आपत्ति का आज तक नहीं हुआ निराकरण

एमसीबी जिले की घोषणा के बाद शासन की ओर से दावा आपत्ति भी मंगाई गई थी जिसमें कोरिया बचाव मंच और सर्व आदिवासी समाज के द्वारा सरकार के समक्ष असंतुलित विभाजन और खासकर कोरिया गढ पहाड़ को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई गई थी, इस बारे में प्रारंभ में एक याचिका भी उच्च न्यायालय में दायर की गई जिसमें यह हुआ कि शासन नए जिले के गठन के पहले आपत्तियों का निराकरण करे। लेकिन उक्त दोनों संगठन के नेताओं की माने तो अभी तक शासन द्वारा उनके आपत्तियों का निराकरण नही हुआ है और एमसीबी जिले का शुभारंभ किया जा रहा है। उनका कहना है कि आपत्ति एमसीबी जिले के निर्माण को लेकर नही बल्कि कोरिया के असंतुलित बंटवारे को लेकर है।

उच्च न्यायालय ने खारिज की याचिका

एमसीबी जिले के निर्माण में कोरिया के साथ हुए अन्याय और असंतुलित विभाजन के संबंध में कोरिया बचाव मंच के द्वारा पुनः एक याचिक छत्तीसगढ उच्च न्यायालय में लगाई गई थी, उसे उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया है,जिसके बाद मंच के पदाधिकारी नए सिरे से अपनी रणनीति बना रहे हैं।

काला दिवस मनाने का निर्णय,कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गत दिनों कोरिया बचाव मंच के लोगो ने एक बार कोरिया कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर नवीन जिला निर्माण के पूर्व दावा आपत्ति का निराकरण करने, मांग के अनुरूप क्षेत्रों को मातृ जिले कोरिया में यथावत रखने,एमसीबी जिले के उद्घाटन के पूर्व समस्त जिला कार्यालयों को कोरिया में स्थापित करने व राजपत्र में सीमाओं का स्पष्ट उल्लेख कर अंतिम प्रकाषन करने की मांग की है। मांग पूरी होने के पहले ही यदि एमसीबी जिले का शुभारंभ कर दिया जाता है तो मंच के सदस्यों ने विरोध प्रदर्षन करते हुए काला दिवस मनाने की बात कही है।

कोरिया कुमार का सपना चकनाचूर,क्या जवाब देंगी संसदीय सचिव

छत्तीसगढ के प्रथम वित्त मंत्री और बैकुंठपुर विधानसभा से अपराजेय योद्धा रहे स्व. डॉ.रामचंद्र सिंहदेव जिन्हे की यहां की जनता कोरिया कुमार के नाम से जानती,पहचानती और अपने दिलो में रखती थी, यह जगजाहिर है कि कोरिया जिले के निर्माण और मुख्यालय बैकुंठपुर बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। कोरिया जिला उनके सपनो का जिला था। उनके निधन के बाद प्रदेष में मौका मिलते ही कोरिया जिले का विभाजन कांग्रेस की सरकार ही कर देगी यह किसी ने सोचा नही था। चुनाव पूर्व वर्तमान बैकुंठपुर विधायक अंबिका सिंहदेव ने घूमघूम कर सार्वजनिक मंच से कहा था कि वे काका यानि कि कोरिया कुमार के सपनो को पूरा करने यहां आई है,यहां की जनता ने भी उनकी बात पर भरोसा किया और भैयालाल राजवाड़े जैसे जननेता को किनारे करते हुए उन्हे मौका दिया। अंबिका सिंहदेव के कार्यकाल में कोरिया का विभाजन हो गया,वह भी असंतुलित विभाजन, जिसके लिए यहां की जनता उन्हे भी दोषी मानती है। और आरोप लगाती हुये कहती है कि अंबिका सिंहदेव के कार्यकाल में कोरिया कुमार का सपना चकनाचुर हुआ है वे अब जनता के बीच जाकर क्या मुंह दिखाएंगी। वे जनता को जिले के संबंध में क्या जवाब देंगी। जाहिर सी बात है कि विधानसभा चुनाव 2023 में बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस को बहुत मुष्किल का सामना करना पड़ेगा।

चिरमिरी और भरतपुर को सिर्फ नाम का लॉलीपाप

पिछले साल 2021 में जब मनेंद्रगढ को जिला बनाने की घोषणा हुई तो इसे लेकर भरतपुर और चिरमिरी में विरोध प्रदर्षन प्रारंभ हुआ तब बहुत ही चतुराई से भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरो एवं मनेंद्रगढ विधायक विनय जायसवाल ने मुख्यमंत्री से मिलकर मनेंद्रगढ के साथ नाम में चिरमिरी और भरतपुर भी शामिल करा दिया जिसके बाद इस जिले का नाम मनेंद्रगढ नही बल्कि एमसीबी यानि की मनेंद्रगढ,चिरमिरी,भरतपुर रख दिया गया है। मनेंद्रगढ को छोड़ चिरमिरी और भरतपुर की जना यह समझ ही नही पा रही है कि आखिर सिर्फ जिले के नाम में यहां का नाम शामिल कर दिया गया है आखिर इससे चिरमिरी और भरतपुर का फायदा क्या है। एक भी जिला स्तरीय कार्यालय यदि इनमें से एक भी जगह स्थापित नही किए जाते हैं तो जाहिर सी बात है कि चिरमिरी और भरतपुर को नाम का लालीपाप दिया गया है।

विधायक विनय जायसवाल के प्रति जनता में नाराजगी

सरकार ने मनेंद्रगढ को जिला बना दिया इसका सीधा श्रेय स्थानीय विधायक विनय जायसवाल कों मिलना था लेकिन इसका श्रेय उन्हे उतना नही मिल सका जितना मिलना चाहिए था,सरकार द्वारा मनेंद्रगढ को जिला बनाए जाने से यहां की जनता के बीच तो उनका कद ऊंचा हुआ लेकिन चिरमिरी में उठा विरोध अभी तक शांत नही हुआ है। इस विधानसभा में ज्यादा मतदाता चिरमिरी क्षेत्र में निवास करते हैं लेकिन उनकी मांग की ओर आज तक ध्यान नही दिया जा रहा है जाहिर सी बात है कि आगामी चुनाव में विधायक विनय जायसवाल को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा।

पुलिस ने 20 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

उरगा पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली की ग्राम बेंगचुलभांठा का शंकर दयाल उरांव अपनी मोटरसाइकिल में अवैध रूप से अधिक मात्रा में कच्ची महुआ शराब परिवहन करते सलिहा भांठा की ओर जा रहा है, कि सूचना पर थाना प्रभारी उरगा निरीक्षक राजेश जांगड़े के द्वारा तत्काल प्र.आर राकेश सिंह एवं आरक्षक सूरज यादव,आनंद पुरैना, हरमेश खूंटे एवं रूप साहू की टीम को मौके पर रवाना किये। जो गवाह के साथ घेराबंदी कर कार्यवाही कि। वही ग्राम सलिहा भांठा स्वागत गेट के पास आरोपी शंकर दयाल उरांव के साथ 20 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी कीमत लगभग 3000 रुपए है वही घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल ष्टत्र 12 क्ष 8762 कीमत लगभग 40000 रुपए का मिला जप्ती पत्रक के जब्त कर आरोपी शंकर दयाल पिता गिरजानंद उम्र 27 वर्ष सा0 बेंगचुलभांठा थाना उरगा जिला कोरबा (छ0ग0) को मौके पर ही विधिवत गिरफ्तार किया गया मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट की कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पंचायत सचिव द्वारा लगाया गया आरोप निराधार

सचिव के ऊपर आदिवासी अत्याचार अधिनियम के तहत अपराध दर्ज करने जनपद सदस्यों के सैकड़ों लोगों थाने मे दिया आवेदन

-संवाददाता-
प्रतापपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पंचायत सचिव द्वारा जनपद उपाध्यक्ष पति पर लगाया गया आरोप निराधार है यह कहना है जनपद सदस्य रामसुख सांडिलय देवनाथ कृष्णा सिंह उन्होंने कहा कि जनपद उपाध्यक्ष पति पर राजनीतिक द्वेष के वजह से केस दर्ज किया गया है जनपद उपाध्यक्ष और जिला संयुक्त महामंत्री का आरोप है कि यह झूठा है और एक बडे नेता के दबाव पर किया गया है,, जिसके बाद आज सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीणों ने प्रतापपुर थाने का घेराव किया और ग्राम पंचायत के सचिव के खिलाफ शिकायत करते हुए एफ आई आर दर्ज करने की मांग की,, फिलहाल पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों पर कार्यवाही की बात कह रहे हैं,, वही इस पूरी घटना के बाद कांग्रेस की गुटबाजी फिर से खुलकर सामने आ गई है, पर उन्हीं के पार्टी के पदाधिकारी के द्वारा लगाए गए इस गंभीर आरोप के बाद देखने वाली बात यह होगी कि आगे प्रशासन क्या कार्रवाई करती है आज के संकेतिक थाना घेराव में राज्य हज कमेटी के सदस्य इम्तियाज जफर नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन सोनी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के संभाग अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह टेकाम एल्डरमैन बलवीर यादव मासूम ईराकी वसीम गोल्डन मुमताज इमरान अंसारी मुस्ताक रंगसाज जानसाय मराबी पूर्व जनपद सदस्य सुरेश चक्रधारी अनिल सिह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

महिला चोर गिरोह का प्रेमनगर पुलिस ने किया भांडाफोड़

-संवाददाता-
सूरजपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

ग्राम सुमेरपुर रामानुजनगर निवासी फुलबसिया ने थाना प्रेमनगर पुलिस को सूचना दिया कि 5 सितम्बर को बस से अपने घर जाते समय बस में भीड़ था उसके अगल-बगल में करीब 5-6 महिलाएं खड़ी थी जैसे ही प्रेमनगर साप्ताहिक बाजार के पास बस रूकी उसी समय बगल में खड़ी महिलाओं में से एक महिला ने इसके पहने हुए सोने के 2 मोहरों को चोरी कर लिया और बस से उतर कर भागने लगी, हल्ला करने पर ग्रामीणों के सहयोग से उस महिला को पकड़ा गया। मामले की सूचना पर पाकर थाना प्रेमनगर की पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और पकड़े गए महिला राधा गिरी पति शिवप्रसाद उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम कोनकोना, थाना बांगो, जिला कोरबा से बारीकी से पूछताछ किया।

पूछताछ पर आरोपी महिला ने बताया कि समूह में एक साथ 5-6 महिलाएं निकलती है और भीड़-भाड़ वाले स्थान में सोने-चांदी के जेवर पहने लोगों पर इनकी निगाहे रहती है, बस में सफर अथवा बाजार में भीड़-भाड़ का फायदा उठाकर धक्का मुक्का कर ध्यान भटकाकर चोरी कर वहां से फरार हो जाते है। पूर्व योजना के मुताबिक जो चोरी करता है उसके पकड़े जाने पर समूह की महिलाएं उसे बचाने के लिए वहां पहुंच जाती है जिससे चोरी की वस्तु को छिपाने का मौका मिल जाता है। चोरी की इस वारदात को अपने 5 महिला साथियों के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने थाना प्रभारी को चोर गिरोह के महिला सदस्यों की पतासाजी कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोने की मार्गदर्शन में मौके पर पहुंची थाना प्रेमनगर की पुलिस ने इस चोरी के मामले में संलिप्त आरोपी सोनिया पति कृष्ण गिरी उम्र 20 वर्ष, कौशल्या पिता कलेशर गिरी उम्र 25 वर्ष, धर्मी पति अनिल गिरी उम्र 21 वर्ष, रतनी पति राजकपूर गिरी उम्र 25 वर्ष एवं अंजली पति मनोज गिरी उम्र 21 वर्ष सभी निवासी ग्राम कोनकोना, थाना बांगो, जिला कोरबा को साप्ताहिक बाजार में घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी की 2 सोने की मोहर कीमत करीब 50 हजार रूपये का जप्त कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर विपिन लकड़ा, एसआई निर्मल प्रसाद राजवाड़े, महिला प्रधान आरक्षक संतोषी वर्मा, आरक्षक बेचू सोलंकी, चंद्रकांत बिजनेर, सोहन सिंह, महिला आरक्षक सविता साहू व सिंधू कुजूर सक्रिय रहे।

आमगांव खदान से कोयला चोरी मामले में 8 व्यक्ति गिरफ्तार,थाना रामानुजनगर पुलिस की कार्यवाही

-संवाददाता-
सूरजपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बीते 5 सितम्बर 2022 को आमगांव कोयला खदान के सुरक्षा प्रभारी पवन शर्मा ने थाना रामानुजनगर में लिखित आवेदन दिया कि आमगांव खुली खदान में वर्तमान में कोयला उत्खनन कर भण्डारण कर परिवहन का कार्य जारी है, दिनांक 03.09.22 के रात्रि में अज्ञात ग्रामीणों के द्वारा खदान में भण्डारण किए गए कोयला में से करीब 6 टन कोयला को चोरी कर ले गए है। रिपोर्ट पर अज्ञात लोगों के विरूद्ध धारा 379, 34 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने कोयला चोरों की पतासाजी करते हुए जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना रामानुजनगर की पुलिस ने कोयला चोरों की पतासाजी करने के दौरान मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम साल्ही के जय कुमार साहू अपने साथियों के साथ ओपन कास्ट खदान आमगांव से कोयला चोरी कर अपने घर में रखे है। जय कुमार साहू को तलब कर हिकमत अमली से पूछताछ करने पर अपने साथी सूरज यादव, भुनेश्वर, धर्मजीत, देवसाय, लक्ष्मण, कमल साय व श्रवण कुमार के साथ मिलकर कोयला चोरी कर अपने-अपने घर में छुपा कर रखना बताया। पुलिस टीम ने तहसीलदार संजय राठौर व एसईसीएल प्रबंधन की मौजूदगी में विधिवत् आरोपियों के निशानदेही पर 6.5 टन कोयला कीमत 60 हजार रूपये वं परिवहन में प्रयुक्त 7 नग सायकल जप्त किया है। मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

पुलिस ने खदान से कोयला चोरी करने वाले ग्राम साल्ही खालपारा निवासी जय कुमार साहू पिता राजू साहू उम्र 32 वर्ष, सूरज यादव पिता कुसूम साय बरगाह उम्र 23 वर्ष, ग्राम आमगांव निवासी भुनेश्वर पिता समन उम्र 25 वर्ष, धर्मजीत तिर्की पिता शिवबालक तिर्की उम्र 20 वर्ष, देवसाय पिता मोहर साय उम्र 40 वर्ष, लक्ष्मण तिर्की पिता प्रदीप तिर्की उम्र 24 वर्ष, कमल साय पिता स्व भानसाय उम्र 50 वर्ष एवं श्रवण कुमार पिता स्व. दुलार साय उम्र 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे, एसआई मनिप्रसाद राजवाड़े, एएसआई बिसुनदेव पैंकरा, माधव सिंह, चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर देवनाथ चौधरी, प्रधान आरक्षक हंसराम कनेडिया, आरक्षक रूपदेव सिंह, चन्द्रकुमार साहू, सैनिक बाबुलाल, मानसाय व नरेन्द्र साहू सक्रिय रहे।

पीटीएम को निशाना बनाने के लिए पाकिस्तान सेना ने कठोर प्रतिक्रिया में मानवाधिकारों का उल्लंघन किया

इस्लामाबाद, 6 सितंबर 2022। पाकिस्तान सेना ने अपनी कठोर प्रतिक्रिया के साथ पश्तून तहफुज आंदोलन (पीटीएम) को निशाना बनाने के लिए कई गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन किए हैं ।

यह न केवल पीटीएम को वश में करने में विफल रहा है, बल्कि इसके संकल्प और लोकप्रिय समर्थन को मजबूत किया है और सामाजिक विभाजन की सूजन को जोखिम में डाला है।

यूरोपियन फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज (श्वस्न्नस्) के जुनैद कुरैशी के साथ एक साक्षात्कार में, पाकिस्तान मैं पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता, सना एजाज ने हाल ही में दावा किया है कि पाकिस्तान सेना ने सार्वजनिक प्रवचन और राजनीतिक भागीदारी के साथ देश को एक जेल राज्य में बदल दिया है। द्धस्नस्नस्न ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा दमित और नियंत्रित किया जा रहा है। एजाज ने देश में अविश्वसनीय विविधता के बावजूद,

सैन्य-राज्य गठजोड़ द्वारा निजी अभिनेताओं पर लगाए गए दबाव और पाकिस्तान के एक उर्दू-केंद्रित दृष्टिकोण को लागू करने के लिए पाकिस्तान के कुलीन प्रयासों के चल रहे प्रयासों का वर्णन किया । 2018 में, एजाज को पेशावर स्टेशन पर एक समाचार एंकर के रूप में नौकरी से निकाल दिया गया था

पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी), उसकी सामाजिक सक्रियता और पश्तून तहफ्फुज आंदोलन (पीटीएम) के साथ जुड़ाव के कारण।

एजाज को बाद में उसके प्रबंधक ने सूचित किया कि ÷ऊपर से आदेश÷ के परिणामस्वरूप उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इसके तुरंत बाद, एजाज ने इसी तरह के दबाव के कारण शिरकत गाह नामक एक एनजीओ में अपनी नौकरी खो दी।

पीटीएम और अन्य समूहों के सदस्यों के लिए इस प्रकार की धमकी और जबरदस्ती सामान्य है जो पाकिस्तान की सेना के कार्यों या प्रभाव की आलोचना करते हैं। पाकिस्तान में सभी समाचार चैनलों की निगरानी सैन्य सूचना विभाग द्वारा की जाती है। सभी लाइव कार्यक्रम कुछ मिनटों की देरी से प्रसारित किए जाते हैं और संवेदनशील या विवादास्पद टिप्पणियों को अक्सर सेंसरशिप द्वारा काट दिया जाता है।

पश्तून तहफुज आंदोलन जैसे संगठन , जिनमें से एजाज हिस्सा है, मौलिक अधिकारों की मांग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो पाकिस्तान के संविधान ने सभी पाकिस्तान नागरिकों से वादा किया है। इस आंदोलन को तब प्रमुखता मिली जब इसने नकीबुल्लाह महसूद के लिए न्याय आंदोलन शुरू किया, जो एक फर्जी मुठभेड़ में कराची पुलिस द्वारा अतिरिक्त न्यायिक हत्या का शिकार था।

जैसा कि एजाज के मामले में देखा गया है, पीटीएम की सक्रियता के लिए राज्य की प्रतिक्रिया उस तरह के सत्तावादी व्यवहार को दोगुना करने की रही है जिसका पीटीएम विरोध कर रहा है, आईएफएफआरएएस ने दोहराया।

पीटीएम के कई सदस्यों को आतंकवाद के संदिग्ध आरोपों या पाकिस्तान के प्रावधानों की तनावपूर्ण व्याख्या पर गिरफ्तार किया गया हैदेशद्रोह, हिंसा भड़काने, मानहानि और इसी तरह के आरोपों के आधार पर दंड संहिता। पीटीएम के कई प्रमुख सदस्य भी मारे गए हैं, जिनमें सरदार मुहम्मद आरिफ वज़ीर भी शामिल हैं, जो कि पाकिस्तानी सेना और अरमान लूनी के इशारे पर किए गए एक ड्राइव-बाय शूटिंग में मारे गए थे, जिन्हें पुलिस ने विरोध में पीट-पीट कर मार डाला था।

मानवाधिकारों की मांग करने वाले पीटीएम विरोधों की प्रतिक्रिया पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बलों पर हावी होने वाली दबंग और पागल संस्कृति का संकेत है।

जैसा कि विरोध, इसकी सेंसरशिप और राष्ट्रीय टेलीविजन की निगरानी और यहां तक ??कि इसके चीफ ऑफ स्टाफ, क़मर जावेद बाजवा की टिप्पणियों के जवाब में देखा गया है, जिसमें सेना, पाकिस्तान की आलोचना के लिए अली वज़ीर से माफ़ी मांगने की मांग की गई है।सेना समाज से सार्वजनिक आलोचना का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं है और इस तरह के प्रवचन के किसी भी संकेत को शांत करने के लिए कई आक्रामक रणनीति का सहारा लेगी। पाकिस्तान सेना पीटीएम को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान

(टीटीपी) के विस्तार के रूप में देखती है और इसे और इसी तरह के समूहों को पाकिस्तान में जातीय विभाजन बनाने की दृष्टि से विदेशी ताकतों द्वारा वित्त पोषित और समर्थित होने के रूप में देखती है । यह निंदक दृष्टिकोण न केवल पीटीएम और इसी तरह के समूहों की कई वैध शिकायतों की अनदेखी करता है, बल्कि इसके जवाब में उनकी शिकायतों के लिए और अधिक ईंधन प्रदान करता है और यह धारणा है कि सेना असहमति के किसी भी संकेत को लक्षित करने के लिए कानून के शासन की अनदेखी या विकृत कर रही है, आईएफएफआरएएस की सूचना दी। पाकिस्तान की केंद्रीय विफलता

यहां की सेना ने पीटीएम के लिए वास्तविक और बढ़ते जमीनी समर्थन को पहचानने से इनकार कर दिया है, जो उसकी विशाल रैलियों में दिखाया गया है और अपने नेताओं के अपने जीवन और उनके परिवारों के लिए खतरों के बावजूद भी पाठ्यक्रम पर बने रहने का दृढ़ संकल्प है। पीटीएम को पाकिस्तान

की सेना की कठोर प्रतिक्रिया न केवल उसे वश में करने में विफल रही है, बल्कि उसके संकल्प और लोकप्रिय समर्थन को मजबूत किया है और सामाजिक विभाजन की सूजन को जोखिम में डाला है।

सेना से टकराव से बढ़ा कर अपने लिए जोखिम बेहद बढ़ा लिया है इमरान खान ने

इस्लामाबाद, 6 सितम्बर 2022। पाकिस्तान के नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति के बारे में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बयान से उठा विवाद और सुलगता जा रहा है। पाकिस्तान की सियासत पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों के मुताबिक पहले से ही नाराज सेना को और भड़का कर इमरान खान ने अपने लिए जोखिम और बढ़ा लिया है। ये आम समझ है कि पाकिस्तान में सत्ता की असली सूत्रधार हमेशा सेना रहती है।

रविवार को दिए इमरान खान के बयान पर सोमवार को सेना ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया जताई। उधर शहबाज शरीफ सरकार को भी इस घटनाक्रम से इमरान खान पर शिकंजा कसने का नया मौका मिला है। आशंका जताई जा रही है कि जल्द ही इमरान खान के खिलाफ पहले से चल रहे और नए मामलों में भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को आरोप लगाया कि इमरान नफरत फैलाने और संस्थाओं को बदनाम करने की अपनी मुहिम अब नई ऊंचाइयों तक ले गए हैं।

सेना के जन संपर्क विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान की सेना इमरान खान के 'सेना विरोधी बयानों' से आहत है। जन संपर्क विभाग ने कहा कि 'खान के सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को कलंकित करने वाले और अवांछित बयानों से सेना को सदमा लगा है। यह अफसोस की बात है कि जिस समय सैनिक लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जान दे रहे हैं, उस समय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व की साख खत्म करने और उस पर लांछन लगाने की कोशिश की जा रही है।'

इमरान खान ने रविवार को फैसलाबाद में अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि मौजूदा सरकार अपने पसंदीदा अफसर को अगला सेनाध्यक्ष बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा था कि ऐसी कोशिश इसलिए हो रही है, क्योंकि अगर कोई देशभक्त सेनाध्यक्ष बना, तो वह वर्तमान सत्ताधारियों से गलत तरीके से कमाए गए पैसे का हिसाब मांगेगा। गौरतलब है कि मौजूदा सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा नवंबर में रिटायर्ड होने वाले हैं।

इस बयान के बाद पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी ऑथरिटी ने देश के सभी टीवी चैनलों को निर्देश जारी किया है कि वे ऐसे किसी बयान का प्रसारण ना करें, जिसमें सरकारी संस्थानों को निशाना बनाया गया हो। सोमवार शाम को खबर आई कि पीटीआई समर्थक माने जाने वाले मीडिया संस्थान- बोल न्यूज को बंद करवा दिया गया है। इसके पहले इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने ऑथरिटी को को 'अवांछित और आपत्तिजनक विचारों' के प्रसारण पर रोक लगाने का निर्देश दिया था।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आरोप लगाया है कि इमरान खान अराजकता फैलाने और देश को कमजोर करने के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। उधर रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा है कि अब इमरान खान के खिलाफ 'लंबी कानूनी लड़ाई' शुरू की जाएगी।

बिलावल,मरियम ने पाकिस्तानी सेना के बारे में इमरान खान के 'अपमानजनक' बयान की निंदा की

इस्लामाबाद, 6 सितंबर 2022। गठबंधन नेताओं, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की निंदा की।) प्रमुख इमरान खान का पाकिस्तानी सेना के बारे में अपमानजनक बयान। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बिलावल ने पीटीआई अध्यक्ष से पाकिस्तानी सेना से सवाल करने से बचने का आग्रह करते हुए कहा,

÷ इमरान खान ने बार-बार देश, उसकी अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक एकजुटता के लिए एक अचूक मिसाइल साबित किया है।÷

फैसलाबाद में एक सार्वजनिक रैली में, पीटीआई अध्यक्ष ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने स्वयं के एक सेना प्रमुख की नियुक्ति के लिए चुनावों में देरी कर रही है और अगर सेना का एक देशभक्त प्रमुख आता है, तो वह मौजूदा शासकों को नहीं बख्शेगा।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, तब से पूर्व प्रधानमंत्री पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाने के आरोप में निशाने पर हैं।

खान के बयान पर टिप्पणी करते हुए बिलावल ने कहा, वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाना और विभिन्न संस्थानों के सदस्यों के लिए देशभक्ति और देशद्रोही के प्रमाण पत्र सौंपना इस अराजकतावादी की पहचान रही है।

इस बीच, मरियम ने पीटीआई प्रमुख को डबल-डीलर कहते हुए कहा कि पाकिस्तान कभी भी सदमे से नहीं उबरेगा और डाउनहिल जाना जारी रखेगा यदि उसे (खान) घोषित नहीं किया जाता है और न्यायपालिका सहित सभी हितधारकों द्वारा डबल-डीलर के रूप में पेश किया जाता है। । उन्होंने आगे कहा कि खान के साथ राजनीतिक नेता की तरह व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि वह नहीं हैं, जियो न्यूज ने रिपोर्ट किया उन्हें लॉन्च किया गया है और पाकिस्तान को बर्बाद करने और देश को दुख और निराशा के गड्ढों में डुबोने के लिए वित्त पोषित किया गया है, उसने ट्विटर पर लिखा। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमारे देश की स्थिरता, अर्थव्यवस्था, समाज, मीडिया और अब इसके सशस्त्र बलों पर हमला करके हमारे देश पर युद्ध छेड़ दिया है। इस रविवार को फैसलाबाद में एक जलसा में अपने भाषण में, पीटीआई अध्यक्ष ने कहा कि गठबंधन सरकार चुनाव रोक रही थी क्योंकि वे अपनी पसंद के एक सेना प्रमुख की नियुक्ति करना चाहते थे।

विदाई भाषण में जॉनसन ने खुद को बताया बूस्टर रॉकेट, कहा- यह लिज ट्रस का समय

लंदन , 6 सितम्बर 2022। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की रेस कंजर्वेटिव पार्टी की नेता लिज ट्रस ने जीत ली है। उन्होंने पूर्व वित्तमंत्री व भारतीय मूल के ऋषि सुनक को कड़े मुकाबले में पराजित किया है। अब वह देश की नई प्रधानमंत्री होंगी। इस बीच ब्रिटेन के निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपना विदाई भाषण दिया। ब्रिटेन की महारानी को इस्तीफा सौंपने से पहले लोगों को संबोधित करते हुए जॉनसन ने कहा, कुछ ही देर में मैं महारानी से मिलूंगा और अंत में मशाल नए कंजर्वेटिव नेता को सौंप दी जाएगी।

भारत-अमेरिका संबंधों के विस्तार पर ध्यान दे रहे हैं:पीयूष गोयल

सैन फ्रांसिस्को , 6 सितंबर 2022। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका अपने संबंधों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसके लिए, दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए अगले कदम के साथ बातचीत कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिल्स के छह दिवसीय दौरे पर हैं ।

÷मेरा मानना ????है कि हमारी तीन टी साझेदारी विश्वास, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा पर आधारित हैं। हमारे (भारत और अमेरिका) के पास एक मजबूत व्यापार नीति मंच है ... कई मायनों में। हम इस संबंध को

विस्तारित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जीना (अमेरिकी वाणिज्य सचिव)) और मैं अपने अगले व्यावसायिक संवाद के साथ बहुत जल्दी आने के लिए बातचीत कर रहा हूं। हम सभी के लिए आपसी हित के क्षेत्रों में शामिल होने का समय आ गया है।÷यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 5-10 सितंबर से अमेरिका में हैं। भारत-अमेरिका व्यापार साझेदारी पर बोलते हुए, गोयल ने कहा कि दोनों देश स्पष्ट रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुड़ाव पर केंद्रित हैं।

÷मैं इसे केवल आपकी कल्पना को गुदगुदाने और उत्तेजित करने के लिए साझा कर रहा हूं कि शायद आप अमेरिकी सरकार पर उनकी (मुक्त व्यापार समझौता) एफटीए नीति पर पुनर्विचार करने के लिए दबाव डालना शुरू कर सकते हैं ताकि वे बस को याद न करें। क्योंकि हम हैं हमारे अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुड़ाव पर बहुत स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया,÷ उन्होंने यूएसआईएसपीएफ के सदस्यों से कहा।

चीन में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 65

बीजिंग , 6 सितंबर 2022। चीन के सिचुआन प्रांत में सोमवार को आए जोरदार 6.8 तीव्रता के भूकंप ने अब तक 65 लोगों की जान ले ली है, जबकि 248 लोग घायल हो गए और 12 लापता हो गए, स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को इसकी सूचना दी। चाइना

अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर के अनुसार , 3.0-तीव्रता या उससे अधिक के कुल 10 झटके दर्ज किए गए हैं, जिसमें 4.0 से 4.9 तीव्रता का एक भूकंप, 3.0 से 3.9 तीव्रता के नौ भूकंप और 4.2 तीव्रता के अब तक के सबसे बड़े झटके शामिल हैं। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार , 65 मौतों में से 37 गारज़े तिब्बती स्वायत्त प्रान्त में हैं , जहां लुडिंग काउंटी स्थित है और 28 याआन शहर में, मंगलवार सुबह 7ः00 बजे तक और 50,000 से अधिक लोग स्थानांतरित हो गए हैं।परिवहन मंत्रालय के अनुसार, लुडिंग-शिमियन एक्सप्रेसवे पर 350 से अधिक लोग फंसे हुए हैं, जिसमें 336 निर्माण श्रमिक और 20 प्रबंधक शामिल हैं।

एक्सप्रेसवे टोल बूथों ने भूकंप राहत के लिए 700 से अधिक विशेष चैनल खोले। चेंगदू-लुडिंग एक्सप्रेसवे के साथ सभी सेवा क्षेत्रों को महामारी की रोकथाम की आपूर्ति, तेल उत्पादों, खाद्य सामग्री और अन्य आपातकालीन आपूर्ति के साथ पूरी तरह से स्टॉक किया गया है।

पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पीएलए वेस्टर्न थिएटर कमांड के 1,900 से अधिक अधिकारी, सशस्त्र पुलिस और सैनिक भूकंप प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे और मंगलवार सुबह 8 बजे भूकंप के केंद्र में पहुंचे, घायलों के परिवहन, सड़क ड्रेजिंग, पीड़ित खोज में शामिल हुए और अन्य बचाव कार्य, ग्लोबल टाइम्स ने बताया।

भूकंप के परिणामस्वरूप, प्रांत में बिजली की आपूर्ति काट दी गई थी, हालांकि, स्टेट ग्रिड सिचुआन इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने कहा कि भूकंप प्रभावित क्षेत्र में लगभग 22,000 घरों को रात भर की आपातकालीन मरम्मत के बाद बहाल कर दिया गया है।

ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लुडिंग काउंटी में 6.8 तीव्रता के भूकंप के बाद लोगों की जान बचाने और हताहतों की संख्या को कम करने के लिए हर संभव राहत प्रयासों का अनुरोध किया।

चीन की रेड क्रॉस सोसाइटी ने 320 टेंट, 2,200 राहत पैकेज, 1,200 रजाई और 300 फोल्डिंग बेड वाली राहत सामग्री के पहले बैच के साथ स्तर- III आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की है, जो प्रभावित क्षेत्र में भेजी गई है।

रेड क्रॉस ने राहत और बचाव कार्य में मदद के लिए वहां एक कार्यदल भी भेजा है।

सिचुआन प्रांत ने भूकंप के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया के दूसरे उच्चतम स्तर को सक्रिय कर दिया है और अधिक बचाव बल उपरिकेंद्र क्षेत्र में पहुंच रहे हैं।

भूकंप ने लुडिंग काउंटी को हिलाकर रख दियाचाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर (ष्टश्वह्लष्ट) के अनुसार, सोमवार (बीजिंग समय) दोपहर 12ः52 बजे ।

सीईएनसी ने कहा कि भूकंप के केंद्र की निगरानी 29.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 102.08 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 16 किलोमीटर की गहराई पर की गई।

भूकंप का केंद्र लुडिंग की काउंटी सीट से 39 किमी दूर है और भूकंप के केंद्र के आसपास 5 किमी की सीमा के भीतर कई गांव हैं। भूकंप के झटके सिचुआन की राजधानी चेंगदू में महसूस किए गए, जो भूकंप के केंद्र से 226 किमी दूर है।

भूकंप प्रांतीय राजधानी चेंगदू में लगभग 200 किलोमीटर (125 मील) दूर महसूस किया गया था, जहां एक COVID-19 के प्रकोप ने अपने 21 मिलियन निवासियों में से अधिकांश को चीन की सख्त शून्य-COVID नीति के तहत उनके यौगिकों तक सीमित कर दिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उलानबटार में मंगोलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

उलानबटार [मंगोलिया], 6 सितंबर 2022। रक्षा मंत्रीराजनाथ सिंह ने मंगलवार को उलानबटार में मंगोलिया के रक्षा मंत्री साईखानबयार गुरसेद के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और आपसी हित के अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

रक्षा मंत्री ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, ÷ आज उलानबटार में मंगोलिया के रक्षा मंत्री श्री सैखानबयार गुरसेद के साथ उपयोगी बातचीत । हमने भारत- मंगोलिया रक्षा सहयोग को और गति देने पर गहन विचार-विमर्श किया ।÷ मंगोलिया के रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता शुरू करने से पहले ,

राजनाथ सिंह ने मंगोलिया की राजधानी में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया । उन्होंने उलानबटार में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया । भारत सरकार की सहायता से बनाया गया केंद्र अपनी तरह की एक साइबर-संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परियोजना है जो मंगोलिया और सशस्त्र बलों को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायक होगी।

राजनाथ सिंह ने मंगोलिया और संसद के अध्यक्ष, गोम्बोजाविन ज़ंदनशतर से भी मुलाकात की और बौद्ध धर्म की साझा विरासत को बढ़ावा देने और विस्तार करने के लिए उनके निरंतर समर्थन पर उनकी सराहना की।

इसके अलावा, रक्षा मंत्री ने मंगोलिया के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ उखनागिन खुरेलसुख से मुलाकात की और मंगोलिया के साथ बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की । राजनाथ ने ट्वीट किया, ÷ उलानबटार में मंगोलिया के राष्ट्रपति एचईयू खुरेलसुख के साथ शानदार मुलाकात । 2018 में उनके साथ मेरी आखिरी मुलाकात को याद किया, जब वह देश के प्रधानमंत्री थे। हम मंगोलिया के साथ अपनी बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। ÷ .

राजनाथ सिंह पूर्वी एशियाई देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी और रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए सोमवार को मंगोलिया की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए । रक्षा मंत्रालय के मुताबिक,राजनाथ सिंह सितंबर, 5-7, 2022 तक मंगोलिया में रहेंगे । यह यात्रा किसी भारतीय रक्षा मंत्री की मंगोलिया की पहली यात्रा है और यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी। मंत्रालय ने कहा। भारत और मंगोलिया एक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं और रक्षा इस साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है। पूरे क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने में दोनों लोकतंत्रों का साझा हित है। मंगोलिया के साथ द्विपक्षीय रक्षा जुड़ाव दोनों देशों के बीच व्यापक संपर्कों को शामिल करने के लिए विस्तार कर रहा है, जिसमें संयुक्त कार्य समूह की बैठकें, सैन्य-से-सैन्य आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय यात्राएं, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम और द्विपक्षीय अभ्यास शामिल हैं।

आखिर कौन है भंवरलाल,जिसके नाम पर वन विभाग में होता है सबसे ज्यादा काम ?

» क्या भंवरलाल की बढ़ती संपत्ति के पीछे किसी वन विभाग के अधिकारी का है हाथ।
»वन विभाग के अंदर भंवरलाल का बड़ा नाम,आखिरी यह नाम कैसे हुआ बड़ा ?
» वन विभाग के डिपो में क्या कर रहा ठेकेदार का मशीन व ट्रक ?
» वर्तमान एसडीओ के आवास के समीप डिपो में खड़े मशीन व ट्रक किसी वन विभाग के अधिकारी का ही तो नहीं ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
कोरिया वन मंडल में जितना बड़ा नाम रेंजर से एसडीओ बने अखिलेश मिश्रा का नहीं है उससे बड़ा नाम एक भंवरलाल नाम के व्यक्ति का आता है आखिर यह भंवरलाल कौन है कहां का है और कब से अपनी पैठ जमा रहा है और इसके पीछे किस अधिकारी का हांथ है यह एक बड़ा सवाल है पर सूत्रों की माने तो भंवरलाल के नाम पर वन विभाग में सारे काम किए जाते हैं, इसी के नाम पर बड़ी-बड़ी मशीनें व गाड़ियां है जो वन विभाग किराए पर लेता है जबकि इसके अलावा भी कई लोगों के पास जिले में मशीन व गाड़ियां मौजूद है पर वन विभाग उसे किराए पर ना लेकर आखिर इस व्यक्ति के नाम पर ही क्यों किराए पर लेता है? यह एक बड़ा सवाल है, वही इस बीच एक और जानकारी सूत्रों से आई है इस व्यक्ति के नाम पर गजब की संपत्ति अर्जित हो रही है और उस संपत्ति के पीछे किसी वन विभाग के अधिकारी का हाथ बताया जा रहा है अब इस व्यक्ति का आय से ज्यादा संपत्ति की

जांच की जाए तो खुल सकते हैं कई राज पर कौन करेगा इस व्यक्ति के संपत्ति की जांच?
बता दें कि यदि बैकुंठपुर वन मण्डल में भंवरलाल के विषय मे जांच में बड़ा खुलासा हो सकता है वहीं भंवरलाल को बैकुंठपुर में जानने वाले बहोत ही कम लोग हैं, बताया तो यह भी जाता है कि बैकुंठपुर वन मण्डल के एक एसडीओ के पास व उनके रिश्तेदारों के पास जो चार पहिया गाड़ियां हैं वह भंवरलाल के नाम से ही रजिस्टर्ड हैं। भंवरलाल बैकुंठपुर वन मण्डल में एक जाना माना नाम भले है लेकिन उसका परिचय बताने वाला कोई नहीं है। जैसा कि सूत्रों का कहना है कि भंवरलाल के नाम पर ही कई मशीनें कई वाहन ऐसे हैं जो वन विभाग में ही उपयोग किए जा रहें हैं, जबकि बैकुंठपुर में ही कई ऐसे मशीनों व वाहन के मालिक हैं जिनके पास भी वन विभाग में काम करने के लिए वाहन व मशीनें उपलब्ध हैं लेकिन उनको काम नहीं दिया जाता सभी काम भंवरलाल को मिल जाता है जैसा सूत्रों का कहना है।

कोरिया वन मंडल में सिर्फ मशीन व गाड़ी किराए पर देने वाला क्या एक ही व्यक्ति है ?

कोरिया जिले के वल मंडल में क्या एक ही व्यक्ति किराए पर वाहन देने वाला है? क्या और कोई बड़ा व्यक्ति कोरिया जिले में नहीं जो वाहन व गाड़ियां वन विभाग को सस्ते दामों पर किराए में उपलब्ध करा सके? क्योंकि एक ही नाम से लगभग बिल निकाले जाते हैं ऐसी जानकारी सूत्रों

से मिल रही है गाड़ी की संख्या भी जो बढ़ रही है वह भी समझ के परे है, आनंदपुर नर्सरी से लेकर बैकुंठपुर के फॉरेस्ट डिपो तक में मशीन व गाड़ियां काफी संख्या में खड़ी है आखिर इतनी मशीनें व गाड़ियां किसकी है क्या वन विभाग द्वारा जप्त की गई हैं या फिर वन विभाग में किराए पर इस्तेमाल होने वाली गाड़ियां है और यदि यह इस्तेमाल होने वाली गाड़ियां हैं तो आखिर इसकी रक्षा विभाग क्यों कर रहा? क्या गाड़ी मालिक या मशीन मालिक इसकी रक्षा करने में सक्षम नहीं, बताया जाता है जिसके नाम से बिल निकाला जा रही है व्यक्ति राजस्थान का है पर पिछले कई सालों से कोरिया जिले के वन मंडल में अपनी पैठ जमा हुआ है और आखिर इस पेठ के पीछे किस अधिकारी का हाथ है यह तो जांच का विषय है।

आखिर वन विभाग परिसर में खड़ी वाहन एवम मशीनें किसकी

वन विभाग परिसर बैकुंठपुर में अभी हाल फिलहाल में कई वाहन व मशीनें खड़ी हैं, अब यह सवाल उठता है कि यह वाहन और मशीनें किसकी हैं जिसको वन विभाग संरक्षण प्रदान कर रहा है और एक तरह से पार्किंग की व्यवस्था दे रहा है, कहा जा रहा है यह वाहन भंवरलाल का हो सकता है और यह वही भंवरलाल है जिसे कोई नहीं जानता और जो एसडीओ फारेस्ट का खास है।

एसडीओ के रिश्तेदारों के नाम की जगह उनकी गाड़ियां भंवरलाल के नाम पर

जैसा कि बताया जा रहा है कि बैकुंठपुर के फारेस्ट एसडीओ के कई रिश्तेदारों के पास महंगी महंगी गाड़िया हैं और उनके स्वयं की भी गाड़ी भंवरलाल के नाम पर परिवहन विभाग में रजिस्टर्ड है। अब सवाल यह उठता है कि एसडीओ फारेस्ट व उनके रिश्तेदारों को महंगी महंगी गाड़ी भंवरलाल ने क्यों खरीदकर चढ़ने के लिए दी है। आखिर क्या वजह है कि उसने ढेर सारी गाड़ियों को दूसरों को उपयोग करने को दे रखा है।

शासन के निर्देश के बाद भी कार्यालय में समय पर नहीं आते कर्मचारी

छत्तीसगढ़ शासन के सभी कार्यलय 10 बजे खुलने है और कर्मचारी एवं अधिकारी को ऑफिस में पहुंचना है

-राजेन्द्र कुमार शर्मा-
खड़गवां 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शासन के आदेश की खड़गवां विकास खंड के महिला बाल विकास परियोजना में खुलेआम आदेश कि अवहेलना की जा रही है।
राज्य शासन ने निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालय सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5.30 तक आम जनता के लिए खुल रहें हैं। तथा हफ्ते में दो दिन छुट्टी घोषित की गई है । शासन के इस आदेश का उल्लंघन खड़गवां विकास खंड के महिला बाल विकास परियोजना में देखा जा सकता है। शासन के आदेश के परिपेक्ष में खड़गवां के कार्यालयों में इसकी पड़ताल की गई । जिसमे महिला बाल विकास कार्यलय मे कर्मचारी नहीं आए थे। यहां पर लगभग पदस्थ कर्मचारी का यही हाल है मुख्यालय के कार्यालय में कभी भी समय पर नहीं आता है कार्यालय का जदातर संचालन पदस्थ कंप्यूटर आपरेटर के द्वारा ही करते देखा जा सकता है।
इस संबंध में विकास खंड खडगवा

मे गौरतलब है की खड़गवां के कार्यालय में राज्य शासन के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। ऐसे में लापरवाही और मनमानी करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों पर क्या कार्यवाही होगी और कौन कार्यवाही करेगा या सबसे बड़ा प्रश्न है। प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही का ढर्रा इसी तरह चलता रहेगा या कलेक्टर कोरिया इस पर लगाम लगाएंगे देखने वाली बात होगी।

ग्रामवासी तय करें निर्माण कार्यों की प्राथमिकता, जहां जरूरत वहां नहीं हो रहे कार्य:देवेन्द्र तिवारी

देवरी में सड़क पर मुरुम की जगह डाली गई मिट्टी डाल किया भ्रष्टाचार

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
पूर्व जिपं सदस्य देवेन्द्र तिवारी आज बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत मोदीपारा पहुँच कर देवरी मार्ग की खस्ता हाल सड़क का ग्रामीणों के साथ मुआयना किया। उनके साथ भाजयुमो जिला महामंत्री शारदा गुप्ता, प्रदेश आईटी सेल के सदस्य तीरथ राजवाड़े, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े युवा नेता, रंजन राजवाड़े सहित काफी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।
ग्रामीणों ने बताया कि इस कच्ची सड़क में सीसी सड़क के लिए कई वर्षों से हम मांग कर रहे हैं लेकिन आज तक इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया। हम लोगों को सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। अभी सड़क में मुरुमीकरण के नाम पर मिट्टी डाल दिये जाने से आना जाना बहुत कठिन हो गया है। चारपहिया वाहन तो इसमें चल ही नहीं पा रहे।बाइक या साइकल से आने जाने वाले फिसल कर गिर जा रहे हैं।उन्हें गम्भीर चोटें भी आ रही हैं। जनप्रतिनिधियों या अधिकारियों से भी चर्चा का कोई परिणाम नहीं मिल रहा है। श्री तिवारी ने कहा कि बैकुंठपुर के आसपास की बस्तियों के लिए सरकार और उनके विधायक कुछ अच्छा नहीं कर पा

रहे हैं।चारो तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। ग्रामीणों की चिंता इस सरकार को नहीं है। हम जिला प्रशासन के पास इस विषय को शीघ्र पहुचायेंगे। यदि सड़क मरम्मत के नाम पर अनियमितता की गई है तो इसकी जांच करवा कर कार्यवाही भी कराएंगे।
ग्रामीण तय करें कार्यों की प्राथमिकता देवेंद्र तिवारी ने कहा कि जिन कार्यों की आवश्यकता है वो कार्य स्वीकृति नहीं हो रहे हैं। जबकि गांवों की आवश्यकता को देखते हुए प्रशासन को निर्माण कार्य शुरू करने चाहिए। पंचायतों में होने वाली बैठकों में इनका निर्णय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक कार्यों में पैसों की बर्बादी हो रही है। इसी कारण से विकास कार्य पूरी तरह अवरुद्ध हो गए हैं। पक्की सड़क का निर्माण शीघ्र हो आजादी के इतने सालों बाद भी जिला मुख्यालय से लगे गांवों की बस्तियों के यह हाल दुर्भाग्यपूर्ण है। स्थानीय प्रशासन हम मांग करेंगे, यहाँ पर शीघ्र पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए।

हायर सेकेंडरी रनई के छात्रों को मिली यातायात,साइबर, घरेलू हिंसा,महिला उत्पीड़न एवं मानव व्यापार संबंधी जानकारी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल के आदेशानुसार शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रनई के छात्रों को घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, साइबर अपराध, पॉक्सो, गुड टच बैड टच के साथ यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों की विस्तृत जानकारी जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में पदस्थ ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर लांस नायक महेश मिश्रा ने प्रदान की। श्री मिश्रा ने यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि यातायात एक ऐसा विषय वस्तु है जिससे कोई भी व्यक्ति अछूता नहीं है, चाहे कोई कितना भी पढ़ा लिखा हो अनपढ़ हो, रोजगार पर हो या बेरोजगार हो, व्यापारी या श्रमिक हो सभी को अपने जीवन निर्वहन के दौरान यातायात से होकर गुजरना होता है इस दौरान इन नियमों की जानकारी के अभाव में दुर्घटनाएं घटित होती हैं इन दुर्घटनाओं से बचाव हेतु चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हार्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, जेब्रा क्रॉसिंग, गुड सेमेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण व दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने की सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि के साथ यातायात के अनिवार्य, चेतावनी व सूचनात्मक संकेतों से संबंधित जानकारी प्रदान की एवं कार्यक्रम के दौरान पूछे गए सवालों का सही जवाब देने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया साथ ही जीवन में यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। उक्त जागरूकता अभियान के दौरान संस्था की प्राचार्य श्रीमती सुक्रीन्ता पन्ना, व्याख्याता मित्थल प्रसाद कुर्रे, भास्करानंद कुशवाहा, विनीत कुशवाहा, नवनीत तिवारी, दिनेश नामदेव, श्रीमती जूलिया खलखो, रितु टी. वर्मा, ममता खटीक, कामिनी शर्मा, पीटीआई सुश्री संजू ठाकुर के साथ काफी संख्या में विद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सिंगिंग टैलेंट को दिखाने का बड़ा प्लेटफॉर्म है छत्तीसगढ़ वॉइस स्टार

रायपुर के बाद अब कोरबा और भिलाई की बारी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/ रायपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ वॉइस स्टार 2022 का आगाज हो चुका है। इसके ऑडिशन की भी शुरुआत हो गई है। बीते 3 सितम्बर को राजधानी रायपुर के कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना में पहला ऑडिशन राउंड सम्पन्न हुआ है। इसके बाद अब आगामी 10 और 11 सितम्बर को कोरबा के केसीसी कॉलेज घण्टाघर में दूसरा ऑडिशन होगा, तीसरा ऑडिशन भिलाई के जवाहर नगर स्थित के एच मेमोरियल स्कूल में सम्पन्न होगा, जिसकी धमाकेदार तैयारी जारी हैं। जो भी प्रतिभागी छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सिगिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल होकर अपने हुनर को आजमाना चाहते हैं वो अपना रजिस्ट्रेशन कर ऑडिशन दे सकते हैं। आपको बता दे कि ये ऑडिशन प्रदेश के 13 बड़े शहरों में होंगे। छत्तीसगढ़ वॉइस स्टार में अपने सिंगिंग टैलेंट को दिखाने का बड़ा प्लेटफॉर्म है। अगर आप छत्तीसगढ़ वाईस स्टार के बारे में नहीं जानते तो हम आपको बता दे की छत्तीसगढ़ वाईस स्टार एक टैलेंट हण्ट शो है जो नए गायकों

को प्रोत्साहन देता है। इस रियलिटी शो में विभिन्न गायक आएंगे और एक दूसरे से कॉम्पीट करेंगे, उनके परफॉर्मेंस के अनुसार उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान होगा और जो गायक अंत तक टिकेगा वह इस प्रतियोगिता का विनर बनेगा। वर्तमान में हमारे पास काफी सारे ऐसे प्लेटफार्म हैं जिनके द्वारा हम अपनी कला को आसानी से दुनिया के सामने ला सकते हैं लेकिन यह सुनने में जितना आसान लगता है उतना आसान होता नहीं है। अगर आप यूट्यूब या किसी अन्य इंटरनेट आधारित प्लेटफार्म पर अपना वीडियो अपलोड करते हो तो जरूरी नहीं है कि आपकी वीडियो वायरल हो जाए और आपका टैलेंट लोगों के सामने आ सके। लेकिन छत्तीसगढ़ वाईस स्टार जैसे टैलेंट शो को लाखो करोड़ो लोग देखेंगे, ऐसे में अगर आप इनमे आने में सफल हो जाते हो तो आपको प्रदेश में काफी लोकप्रियता मिलेगी। अगर आप छत्तीसगढ़ वाईस स्टार शो में आना चाहते हो तो इसके लिए आपको सबसे पहले छत्तीसगढ़ वाईस स्टार 2022 ऑडिशन फॉम को भरना होगा। अगर आप नहीं जानते कि ऑडिशन क्या होता है तो बता दे कि यह वह कॉम्पटीशन या टैलेंट शो का वह पड़ाव होता है जिसमें आपकी कला को देखा जाता है परखा जाता हैं, यानी की आप स्टेज पर जाकर परफॉर्म करते हो और अगर आप शो में जाने के लायक होते हो तो आपको शो में ले लिया जाता है वरना आपको ऑडिशन से ही घर वापस जाना होता है। यही नही छत्तीसगढ़ वाईस स्टार 2022 का ऑडिशन छत्तीसगढ़ के 13 छोटे-बड़े शहरों में होने जा रहा हैं। लेकिन ऑडिशन में शामिल होने के लिए आपको पहले रजिस्ट्रेशन करना होता है। रजिस्ट्रेशन के बाद आपको ऑडिशन में बुलाया जाता है और आपको अपने क्रमांक के अनुसार ऑडिशन देना होता है और अगर ऑडिशन में आपका सिलेक्शन हो जाता हैं तो आपको छत्तीसगढ़ वाईस स्टार 2022 का खिताब जीतने का सुनहरा अवसर मिलता हैं।

सूरजपुर पुलिस सड़क दुर्घटना रोकने सुरक्षात्मक उपाय को लेकर है गंभीर

-संवाददाता-
सूरजपुर 06 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ दुर्घटनाजनित स्थानों पर व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के साथ ही संबंधित एजेंसी से समन्वय स्थापित कर दुर्घटना होने वाले ब्लैक स्पॉट को चिन्हांकित कर प्रभावी सुरक्षात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए थे। यातायात प्रभारी इस दिशा में सक्रियता दिखाते हुए सड़क दुर्घटना रोकने के जरूरी कार्य सुनिश्चित करवाने में डटे हुए है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात प्रभारी, आरटीओ एवं एनएचआई के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने ब्लैक स्पॉट का भ्रमण कर उन्हें चिन्हांकित करते हुए सुगम यातायात व दुर्घटना से बचाव के उपायों को अमल में लाने अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

यहां जरूरी है सुरक्षात्मक उपाए

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद यातायात प्रभारी, आरटीओ व एनएच के अधिकारियों ने कई चिन्हित ब्लैक स्पॉट के अलावा अन्य ऐसे स्थानों को भी देखा, जहां आए दिन हादसे होते हैं। यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, जिला परिवहन अधिकारी अमित कश्यप, एनएचआई एसडीओ एस.के.शेखर की संयुक्त टीम ने जयनगर थाना मोड़, पार्वतीपुर, पार्वतीपुर हनुमान मंदिर मोड़ का जायजा लिया। इन स्थानों पर सांकेतिक चिन्ह, रबल स्ट्रीप एवं सहायक मार्ग पर ब्रेकर की आवश्यकता पाई गई है, इन स्थानों पर सुरक्षात्मक उपाए को जल्द पूर्ण कराने हेतु कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

प्लिसकोवा,सबालेंका क्वॉर्टरफाइनल में

न्यूयार्क, 06 सितम्बर 2022। पूर्व यूएसओपन फाइनलिस्ट चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा, बेलारूस की आर्यना सबालेंका और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वीयातेक ने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को अपने-अपने राउंड 16 मैच जीतकर वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

प्लिसकोवा ने दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को हराया और उनका अंतिम आठ में सबालेंका से मुकाबला होगा जिन्होंने अमेरिका डेनियल कोलिन्स को पराजित किया।

स्वीयातेक ने जर्मनी की जूल नियमियर को पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2-6, 6-4, 6-0 से हराया। स्वीयातेक का सत्र का यह तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है। वह बुधवार को आठवीं सीड अमेरिका की जेसिका पेगुला से खेलेंगी।

पूर्व नंबर एक खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में 22वीं सीड प्लिसकोवा ने 26वीं सीड अजारेंका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराया। प्लिसकोवा ने इस जीत के साथ अजारेंका के खिलाफ करियर मुकाबलों में 5-4 की बढ़त बना ली है।

प्लिसकोवा का अगला मुकाबला छठी सीड सबालेंका से होगा जिन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोलिन्स को 3-6, 6-3, 6-2 से हराकर अपने दूसरे यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी।

2016 से लेकर अब तक, प्लिसकोवा ने यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल या उससे आगे पांच बार प्रवेश किया है और उनका 26-6 का जीत-हार का रिकॉर्ड है।

एफआईएच नेशन्स कपः 11 दिसंबर को कनाडा के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेगा भारत

मुंबई, 06 सितम्बर 2022। एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहकर सफलता का स्वाद चखने के बाद भारतीय महिला टीम इस साल 11 से 17 दिसंबर से स्पेन के वालेंसिया में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला राष्ट्र कप से टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का प्रयास करेगी।

कोविड-19 महामारी के कारण कई देशों के बाहर होने के बाद भारतीय महिलाओं ने एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में एक बार विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लिया। अब जब यह आयोजन समाप्त हो गया है, तो भारतीय महिलाएं 2023-24 सीजन में नौ-टीम प्रो लीग में फिर से शामिल होने का प्रयास करेंगी।

विश्व शासी निकाय ने कहा, एफआईएच हॉकी नेशंस कप एफआईएच हॉकी प्रो लीग में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा, जिसमें पहले एफआईएच हॉकी नेशंस कप की विजेता टीम को 2023-24 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पदोन्नत होने में आगे बढ़ाया जाएगा। एफआईएच ने आयोजन के लिए पूल और मैच शेड्यूल जारी करते हुए कहा, एफआईएच हॉकी महिला राष्ट कप 11 से 17 दिसंबर, 2022 तक वालेंसिया, स्पेन में चलेगा। मेजबान स्पेन, पूल ए में दक्षिण कोरिया, आयरलैंड और इटली के साथ खेलेगा, जबकि पूल बी में भारत, जापान, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका में प्रतिस्पर्धा होगी। पहले मैच 11 दिसंबर को वालेंसिया में भारत और कनाडा के बीच खेला जाएगा। दो टीमें जो पिछले दो महीनों के भीतर एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2022 के साथ-साथ बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में आमने-सामने होंगे। फाइनल 17 दिसंबर को खेला जाएगा।

कोको गॉ पहली बार अमेरिकी ओपन क्वॉर्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, 06 सितम्बर 2022। अमेरिका की 18 वर्ष की कोको गॉ ने चीन की झांग शुआइ को 7 . 5, 7 . 5 से हराकर पहली बार अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। फ्रेंच ओपन उपविजेता कोको गॉ मेलानी ओडिन के बाद अमेरिकी ओपन अंतिम आठ में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। ओडिन 2009 में 17 वर्ष की उम्र में यहां तक पहुंची थी। पुरूष वर्ग में 23वीं वरीयता प्राप्त निक किर्गियोस ने गत चैम्पियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव को 7 . 6, 3 . 6, 6 . 3, 6 . 2 से हराया।

अब उनका सामना 27वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा जबकि दूसरे क्वार्टर फाइनल में फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रूड की टक्कर विम्बलडन उपविजेता माटेओ बेरेतिनी से होगी। अमेरिकी ओपन के बाद मेदवेदेव की शीर्ष रैंकिंग भी चली जायेगी। रफेल नडाल, कार्लोस अलकारेज या रूड में से कोई उनकी जगह लेगा।

कोको गॉ का सामना अब 17वीं रैंकिंग वाली फ्रांस की कैरोलिन गार्शिया से होगा जिसने 29वीं रैंकिंग वाली एलिसन रिस्के अमृतराज को 6 . 4, 6 . 1 से मात दी। तीसरे दौर में सेरेना विलियम्स को हराने वाली आस्ट्रेलिया की अजला टोमजानोविच का सामना पांचवीं रैंकिंग वाली ओंस जबाउर से होगा। अजला ने लियुडमिला सैमसोनोवा को 7 . 6, 6 . 1 से हराया जबकि जबाउर ने दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 7 . 6, 6 . 4 से मात दी।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने पदक विजेताओं के लिए नगद का किया ऐलान

प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेगा 3 लाख का इनाम

नई दिल्ली, 06 सितम्बर 2022। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेताओं के लिए मंगलवार को लगभग 1.5 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा कर दी है। बता दें, भारतीय बैडमिंटन दल ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए थे। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने 2021 और 2022 की विश्व चैंपियनशिप में कुल मिलाकर तीन पदक जीते थे। महासंघ के अध्यक्ष हिमंता विश्व सरमा ने पुरस्कार राशि की घोषणा करते बयान दिया है।

हमारे बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है-महासंघ अध्यक्ष उन्होने कहा,'' हमारे बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है और यह नकद पुरस्कार पिछले दो वर्षों में उनकी शानदार उपलब्धियों को सम्मान देने का एक छोटा सा प्रयास है।''

बर्मिंघम में रजत पदक जीतने वाली 10 सदस्यीय मिश्रित टीम को कुल 30 लाख रुपये यानि प्रत्येक खिलाड़ी को तीन लाख रुपये मिलेंगे, जबकि सहयोगी स्टाफ के आठ सदस्यों में से प्रत्येक को 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। राष्ट्रमंडल खेलों के पुरुष और महिला एकल चैंपियन लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू को 20-20 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी को बर्मिंघम में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के लिए 25 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा।

गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की युवा महिला युगल जोड़ी को कांस्य पदक जीतने पर 7.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को भी बर्मिंघम में अपने पुरुष एकल कांस्य के लिए पांच लाख रुपये जबकि स्पेन के ह्यूएलवा में 2021 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के लिए 10 लाख रुपये मिलेंगे। वहीं, सेन को विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीतने के लिए पांच लाख रुपए जबकिचिराग और सात्विक को पिछले महीने तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के लिए 7.5 लाख रुपए मिलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत दौरे के लिए किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली, 06 सितम्बर 2022। इस महीने के आखिरी में दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। टी20 सीरीज की शुरुआत 28 सितंबर से होगी और 4 अक्टूबर को आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 6 अक्टूबर से 11 अक्टूबर के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वनडे और टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टेम्बा बावुमा की टीम की कमान सौंपी गई है। भारत आने वाली टीम ही टी20 विश्वकप 2022 खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, जेनमैन मालन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, वेन पार्नेल, एंडिले फेहलुकवेओ, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, तबरेज़।

दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम

टीमः टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, हेनरिक क्लासेन, रीजा हेंड्रिक्स, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, रिले रोसौव, तबरेज़ शम्सी।

धनुष की थिरुचित्रम्बलम ने 100 करोड़ क्लब में जगह बनाई

उद्योग जगत के सूत्रों की माने तो निर्देशक मिथुन आर जवाहर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म %थिरुचितराम्बलम% ने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक की कमाई करने वाली फिल्मों के प्रतिष्ठित क्लब में प्रवेश कर लिया है। .

मंगलवार को, उद्योग ट्रैकर राजशेखर ने ट्वीट किया, ÷धनुष के राजा ने दुनिया भर में प्रतिष्ठित 100 करोड़ सकल क्लब में प्रवेश किया, इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाली उनकी पहली तमिल फिल्म। यह सिर्फ शुरुआत है। पुनश्चः 100 करोड़ की कमाई करना आसान नहीं है। वाजिब बजट पर बनी फील गुड फिल्म! शानदार!÷उद्योग पर नज़र रखने वाले नागनाथन ने भी ट्वीट किया कि तिरुचित्रम्बलम तमिलनाडु में धनुष के लिए पहली 30 करोड़ रुपये की शेयर फिल्म बनकर उभरी है।

उन्होंने कहा कि फिल्म ब्लॉकबस्टर बनकर उभरी है। एक अन्य उद्योग ट्रैकर रमेश बाला ने ट्वीट किया कि %थिरुचित्रम्बलम% ने यूएस बॉक्स ऑफिस पर रविवार (4 सितंबर) तक 453,918 डॉलर की कमाई की थी और इसी अवधि के दौरान फिल्म ने ऑस्ट्रेलियाई बॉक्स ऑफिस पर 236,334 डॉलर की कमाई की थी।

इस बीच, धनुष ने चुपचाप अपनी आने वाली फिल्म %नाने वरुवेन% के कथानक के बारे में एक संकेत दिया, जिसे उनके बड़े भाई सेल्वाराघवन ने निर्देशित किया है। तमिल में, धनुष ने ट्वीट किया, ओरे ओरु ऊरुक्कुले रेंडु राजा इरुंदरम। ओरु राजा नल्लावरम, ओरु राजा केतवरम (एक राज्य में, दो राजा थे। एक अच्छा राजा था और दूसरा एक बुरा राजा था)। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म का पहला सिंगल बुधवार को रिलीज होगा।

मूल कहानी की हिंदी सीरीज बना रहे हैं कृष्णकली के रचयिता

अनुपमा, इमली, मिठाई- दर्शकों को हिंदी में बंगाली किरदार देखने की आदत हो गई थी। कहानी एक ही है, सिर्फ भाषा और चेहरे अलग हैं। एक शब्द में कहें तो बंगाली सीरीज का हिंदी रीमेक। ज्यादातर समय, यदि आप हिंदी टेलीविजन को देखते हैं, तो आपको वह मिल जाएगा। नहीं, रीमेक नहीं। इस बार बंगाली निर्देशक मूल कहानी के साथ हिंदी में सीरियल बनाने जा रहे हैं। निर्देशक सुशांत दास राजस्थान की कहानी के संदर्भ में एक नया हिंदी सीरियल बना रहे हैं। आकाश आहूजा नायक हैं और निहारिका नायिका हैं।

आकाश को दर्शकों ने पहले थोपकी जोड़ी की नाम के सीरियल में देखा था। आकाश मुंबई का बेटा है। लेकिन नेहारिका राजस्थान की रहने वाली हैं। इस समय सीरियल की शूटिंग जयपुर में चल रही है। इस संबंध में निर्देशक ने आनंदबाजार ऑनलाइन को बताया, इतने लंबे समय से दर्शक हिंदी में बंगाली सीरियल देखते थे. इस बार सभी को स्वाद की एक नई कहानी देखने को मिलेगी। यह नया मेगा स्टार प्लस पर दिखाया जाएगा।÷ इस हिंदी सीरियल के लिए फिलहाल निर्देशक के पास मुंबई में एक फ्लैट है। वहीं दूसरी ओर कोलकाता में भी सीरियल्स के एक जत्थे की शूटिंग हो रही है। जिनमें से एक है अल्टा फारिंग। सिर्फ हिंदी में ही नहीं, निर्देशक स्टार जलसा और जी बांग्ला में दो नए सीरियल शुरू करने की भी योजना बना रहे हैं। एक तरफ सुशांत टियासा लेप्चा और नील भट्टाचार्य को छोटे पर्दे पर वापस लाने जा रहे हैं। वहीं, %जी बांग्ला% की नई सीरीज के लिए नए चेहरों की तलाश की जा रही है।

सनी देओल की चुप का ट्रेलर जारी

आर बाल्की काफी समय से अपनी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इसका शीर्षक चुप रखा गया है। इस फिल्म में सनी देओल, दुलकर सलमान, पूजा भट्ट और श्रेया धनवंतरी जैसे सितारे नजर आएंगे। इसका लेखन और निर्देशन बाल्की ने ही किया है। अब मेकर्स ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर को शुरुआती तौर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसमें रोमांच और ट्विस्ट भरा हुआ है।

एक मिनट 58 सेकेंड का यह ट्रेलर देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। इसकी कहानी एक सीरियल किलर पर आधारित है, जो फिल्मों के जरिए अपने टारगेट को ढूंढता है। फिर उसे अपने स्टाइल में ही मौत के घाट उतारता है। यह सीरियल किलर जिसका भी कत्ल करता है, उसके शरीर पर स्टार रेटिंग का मार्क छोड़ जाता है। इसमें बॉलीवुड के क्रिटिक्स को निशाना बनाया जा रहा है। सनी उस सीरियल किलर का पीछा करते दिखे हैं। ट्रेलर में सीरियल किलर की भूमिका से रहस्य नहीं उठाया गया है। इनवेस्टिगेशन ऑफिसर के किरदार में सनी खूब जमे हैं। पूजा, दुलकर और श्रेया के किरदार के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, इन तीनों ने अपनी उपस्थिति का एहसास जरूर कराया। इस फिल्म को लेकर अभिनेता सनी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा, मैंने अपने करियर में अलग-अलग फिल्में की हैं। हालांकि, यह भूमिका वास्तव में इसकी कहानी को पूरी तरह से प्रभावित करती है। ऐसा लगता है कि आप किसी के आंतरिक कामकाज को देख रहे हैं। जो किरदार मैं निभा रहा हूं, वह विशेष रूप से अनूठा है, इसलिए यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। अमिताभ बच्चन फिल्म से म्यूजिक कंपोजर के रूप में अपना डेब्यू करेंगे। बाल्की ने इस संबंध में खुलासा किया था। यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 23 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। जुलाई में फिल्म का पहला टीजर दिग्गज अभिनेता गुरुदत्त के जन्मदिवस के मौके पर जारी हुआ था। टीजर में दुलकर के किरदार को गुरुदत्त के प्रशंसक के रूप में दिखाया गया था। इसका हालिया टीजर भी मजेदार था।

आयशा कपूर हरि-ओम से करेंगी लीड डेब्यू

संजय लीला भंसाली की फिल्म ब्लैक में रानी मुखर्जी का छोटा किरदार निभाने वाली अभिनेत्री आयशा कपूर आगामी फिल्म हरि-ओम से बॉलीवुड में मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 28 वर्षीय अभिनेत्री, जो न्यूयॉर्क में कोलंबिया में पढ़ने गई थी, कुलविंदर बख्शीश (भाषा के कोच जिन्होंने आमिर खान को पंजाबी में लाल सिंह चड्ढा के लिए प्रशिक्षित किया था) के साथ लगभग 6 महीने से अपने हिंदी डिक्शन पर काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ में 12 हजार शिक्षकों की नई भर्ती को मिली मंजूरी,एसटी वर्ग के लिए अलग संचालनालय का होगा गठन,भूपेश कैबिनेट ने लिए अहम फैसले

रायपुर, 06 सितम्बर 2022। भूपेश कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. बैठक में पीएससी के जरिए 12489 पदों पर शिक्षक भर्ती को मंजूरी मिल गई है. वहीं छत्तीसगढ़ में अब एसटी, एससी और ओबीसी एक ही दफ्तर से संचालित नहीं होंगे, बल्कि एसटी वर्ग के लिए अलग संचालनालय का गठन किया जाएगा।

वहीं, एससी और ओबीसी एक संचालनालय के अंतर्गत संचालित होंगे। इसी तरह एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए सलाहकार परिषद का गठन किया जाएगा। पत्रकारों से चर्चा में सीएम ने बताया कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में किसानों को तीन लाख तक कर्ज देने का फैसला किया गया है।

भूपेश कैबिनेट के ये रहे अहम फैसले

सोलर बिजली उत्पादन के लिए किसानों के साथ 25 साल का एग्रीमेंट होगा। हर साल 30 हजार दिया जाएगा। इसमें हर साल 6त्न वृद्धि होगी।

48 संगठनों को जमीन दी गई है, ताकि शहर में अपना भवन बना सकें। पीएससी के जरिए 12489 पदों पर शिक्षकों की भर्ती होगी। इसकी भी मंजूरी दी गई है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के कल्याण और विकास के लिए पृथक-पृथक विभागों के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इससे इन वर्गो के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का अधिक सुव्यवस्थित तरीके से क्रियान्वयन हो सकेगा।

राज्य शासन द्वारा अधिसूचित अनुसूचित क्षेत्रों बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों तथा बिलासपुर संभाग के कोरबा और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के जिला स्तरीय एवं संभाग स्तरीय पदों पर नियुक्त व्यक्तियों का स्थानान्तरण , प्रतिनियुक्ति, संविलियन, संलग्नीकरण जिले और संभाग के बाहर नही किया जाएगा।

राज्य में किसानों के हित में कृषि और उससे संबंधित उद्यानिकी, मछलीपालन, पशुपालन आदि संबद्ध विभागों की गतिविधियों को एक ही जगह से क्रियान्वित करने के लिए अन्य विभागों की भांति नवा रायपुर में कृषि भवन के निर्माण का निर्णय लिया गया। कृषि भवन निर्माण के लिए नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर 19 में 3.14 एकड़ भूमि चिन्हांकित की गई है। इसके लिए एक रूपए टोकन में भूमि आबंटित करने का निर्णय लिया गया।

राज्य में पम्प स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना हेतु निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य जल विद्युत परियोजना (पंप स्टोरेज आधारित) स्थापना नीति 2022 का अनुमोदन किया गया।

लोक निर्माण विभाग में सहायक मानचित्रकार के 43 पदों पर नियुक्ति हेतु जारी चयन सूची के एक वर्ष तक प्रभावशील रहने की वैद्यता अवधि को शिथिल करने का निर्णय लिया गया।

जल संसाधन विभाग की सिंचाई नहरों के सर्विस बैंक में पक्की सड़कों का निर्माण जल संसाधन विभाग के मद से कराए जाने के बजाए अन्य निर्माण विभागों के मद से कराए जाने का निर्णय लिया गया ताकि सिंचाई विभाग की राशि का उपयोग राज्य में सिंचाई क्षमता को बढ़ाने में किया जा सके।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर केन्द्रित लघु फिल्म और स्वतंत्रता के 75 वर्ष और आगामी 25 वर्ष में नए भारत के निर्माण संबंधी डाक्यूमेंटरी निर्माण की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

मिशन अमृत 2.0 योजना के क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तरीय हाई पावर स्टेयरिंग कमेटी द्वारा अनुमोदित वित्तीय संरचना की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। मिशन अमृत 2.0 योजना में प्रदेश के 169 नगरीय निकायों को सम्मिलित किया गया है। जिसके तहत नगरीय निकायों में जल प्रदाय और आवर्धन योजना के कार्य को प्राथमिकता से कराया जाना है।

सीएम ने बताया कि तीन अलग अलग संचालनालय होंगे। अलग अलग मंत्रियों को भी दिए जा सकते हैं। अब तक एक ही विभाग और संचालनालय के अंतर्गत एसटी एससी और ओबीसी विभाग संचालित होता है।

भूपेश कैबिनेट का बड़ा फैसला

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में उनके निवास कार्यालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए:-

- राज्य शासन द्वारा अधिसूचित अनुसूचित क्षेत्रों बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों तथा बिलासपुर संभाग के कोरबा और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के जिला स्तरीय एवं संभाग स्तरीय पदों पर नियुक्त व्यक्तियों का स्थानान्तरण , प्रतिनियुक्ति, संविलियन, संलग्नीकरण जिले और संभाग के बाहर नही किया जाएगा।
- किसानों के सहकारी ऋणों पर ब्याज अनुदान नियम 2021 में संशोधन प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार उद्यानिकी कार्यो, मत्स्य पालन एवं गौपालन के लिए लघु और सीमांत किसानों को 3 लाख रूपए तक का अल्प कालीन ऋण बिना ब्याज के मिलेगा।
- राज्य में किसानों के हित में कृषि और उससे संबंधित उद्यानिकी, मछलीपालन, पशुपालन आदि संबद्ध विभागों की गतिविधियों को एक ही जगह से क्रियान्वित करने के लिए अन्य विभागों की भांति नवा रायपुर में कृषि भवन के निर्माण का निर्णय लिया गया। कृषि भवन निर्माण के लिए नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर 19 में 3.14 एकड़ भूमि चिन्हांकित की गई है। इसके लिए एक रूपए टोकन में भूमि आबंटित करने का निर्णय लिया गया।
- राज्य में पम्प स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना हेतु निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य जल विद्युत परियोजना (पंप स्टोरेज आधारित) स्थापना नीति 2022 का अनुमोदन किया गया।
- लघु जल विद्युत परियोजना की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए विभागीय नीति-2012 में वृद्धि के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। वर्तमान में 25 मेगावाट क्षमता के लघु जल विद्युत परियोजना की स्थापना हेतु जारी अधिसूचना जिसकी अवधि फरवरी 2022 में समाप्त हो चुकी है, में 10 वर्ष की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया।
- लोक निर्माण विभाग में सहायक मानचित्रकार के 43 पदों पर नियुक्ति हेतु जारी चयन सूची के एक वर्ष तक प्रभावशील रहने की वैद्यता अवधि को शिथिल करने का निर्णय लिया गया।
- जल संसाधन विभाग की सिंचाई नहरों के सर्विस बैंक में पक्की सड़कों का निर्माण जल संसाधन विभाग के मद से कराए जाने के बजाए अन्य निर्माण विभागों के मद से कराए जाने का निर्णय लिया गया ताकि सिंचाई विभाग की राशि का उपयोग राज्य में सिंचाई क्षमता को बढ़ाने में किया जा सके।
- आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर केन्द्रित लघु फिल्म और स्वतंत्रता के 75 वर्ष और आगामी 25 वर्ष में नए भारत के निर्माण संबंधी डाक्यूमेंटरी निर्माण की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत राज्यांश राशि की पूर्ति हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए विभाग को स्वीकृत प्रत्याभूति की अवधि मार्च 2022 को दिसम्बर 2024 (मिशन अवधि) तक बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया।
- मिशन अमृत 2.0 योजना के क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तरीय हाई पावर स्टेयरिंग कमेटी द्वारा अनुमोदित वित्तीय संरचना की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। मिशन अमृत 2.0 योजना में प्रदेश के 169 नगरीय निकायों को सम्मिलित किया गया है। जिसके तहत नगरीय निकायों में जल प्रदाय और आवर्धन योजना के कार्य को प्राथमिकता से कराया जाना है।

राज्यपाल उइके ने बस्तर के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में प्रभारी संकायाध्यक्ष किया नियुक्त

रायपुर, 06 सितम्बर 2022। राज्यपाल अनुसुइया उइके ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महाविद्यालयों के विभिन्न संकायों का प्रभारी संकायाध्यक्ष नियुक्त किया है. राज्यपाल ने शासकीय दंतेश्वरी महिला महाविद्यालय, जगदलपुर के गृह विज्ञान की प्राध्यापक और संकायाध्यक्ष डॉ. रश्मि शुक्ला को प्रौद्योगिक संकाय का, शासकीय दन्तेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दन्तेवाड़ा के वाणिज्य के प्राध्यापक और संकायाध्यक्ष डॉ. आर. के. हिरकने को प्रबंधन एवं सूचना प्रौधोगिक संकाय का संकायाध्यक्ष नियुक्त किया गया.

वहीं, शासकीय इंद्रावती महाविद्यालय भोपालपट्नम के राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक एवं सामाजिक विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ. ए.के. दीक्षित को कला संकाय और वेदमाता गायत्री शिक्षा महाविद्यालय, जगदलपुर के शिक्षा संकाय के संकायाध्यक्ष एवं प्राचार्य ईश्वर प्रसाद तिवारी को विधि संकाय का प्रभारी, बस्तर में वानिकी एवं वन्यजीव की प्राध्यापक डॉ. शरद नेमा को जीव विज्ञान संकाय का संकायाध्यक्ष नियुक्त किया है. यह सभी नियुक्ति छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 27(4) के तृतीय परन्तुक में निहित प्रावधान के तहत की गई है।

जामा मस्जिद चुनाव में वोट डालेंगे 8675 मतदाता

रायपुर, 06 सितम्बर 2022। जामा मस्जिद रायपुर में आगामी कुछ ही दिनों में मुतवल्ली चुनाव होगा। जिसके लिए मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन का काम सोमवार 5 सितम्बर को शाम 6 बजे बंद किया गया जिसमें 8675 मतदाताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा गठित एडहॉक कमेटी के संयोजक सहायक ट्रांसपोर्ट कमिश्नर शोएब अहमद खान ने बताया कि मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन पूर्ण होने के उपरांत एक दो दिन में मतदान स्थल का चयन कमेटी के सदस्यों द्वारा कर लिया जायेगा जिसकी जानकारी समाज के लोगों को दे दी जाएगी। पिछले तीन दिन रजिस्ट्रेशन करने के लिए मतदाताओं की काफी भीड़ थी । इस वजह से मतदाताओं का आधार कार्ड लेकर रजिस्ट्रेशन किया गया जिसमें काफी तादात में मतदाता पर्ची अभी कमेटी के पास है जिन लोगों ने अपना पर्ची नहीं लिए है उनको दो दिन का वक्त दिया गया है। कमेटी के वकील अहमद रिजवी,शेख तनवीर नवाब बाबा भाई,अब्दुल समद, अनवारुल हसन जामा मस्जिद में उपलब्ध रहेंगे और जो लोग अपनी पर्ची नहीं ले गए हैं वे अपना आधार कार्ड दिखाकर पर्ची हासिल कर सकते है। दो दिन बाद बची हुई पर्ची नहीं दी जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा शांति पूर्वक चुनाव करवाने की जिम्मेदारी सहायक ट्रांसपोर्ट कमिश्नर शोएब अहमद खान को सौंपी है जिनके साथ आठ से दस लोग भी एडहाक कमेटी में शामिल हैं जिनके देखरेख में जामा मस्जिद का चुनाव सपन्न किया जाना है। सोमवार अंतिम दिन होने के वजह से रजिस्ट्रेशन के लिए काफी भीड़ रही। कमेटी के सदस्यों के अलावा समाज के लोगों ने भी कमेटी के काम में सहयोग किया जिसमें प्रमुख रूप से शहर सीरत कमेटी के पूर्व सदर नोमान अकरम हामिद,मो. नदीम लाईफ, रफीक सिद्दीकी, रिजवान हमजा, मो. फहीम दद्दा,सैयद राजू, रफीक नियाजी सहित काफी लोग मौजूद रहे।

मतदान स्थल का चयन आज

8675 मतदाताओं के द्वारा मुतवल्ली का चुनाव किया जायेगा जिसके लिए पार्किंग, सुरक्षा और बड़ी जगह की जरुरत होगी। कमेटी के संयोजक और सदस्य एक दो दिन में उपयुक्त स्थान का चयन करेंगे। संभावित स्थल में नेता जी सुभाष स्टेडियम, गवर्नमेंट स्कूल, सप्रेशाला. मुस्लिम हाल और सालेम स्कूल में से किस अक एक स्थल का चयन किया जा सकता है। इसके लिए पहले स्कूल प्रबंधन और संबंधित प्रबंधकों से अनुमति ली जाएगी।

4 लोग कर सकते हैं दावेदारी

मुतवल्ली के पद के किये कुल चार दावेदार होने की भी चर्चा है। जिसमे राजातालाब से दो प्रत्याशी, मौदहापारा से एक, रहमानिया चौक से एक प्रत्याशी सहित कुल चार से पांच प्रत्याशी चुनाव में किस्मत आजमा सकते हैं। हालांकि अभी दावेदारों ने आवेदन नहीं दिया है और न ही कमेटी की ओर से किसी भी को फार्म वितरित किया गया है। मुस्लिम समाज की सबसे बड़ी मस्जिद जामा मस्जिद होती है।

पर्ची लेने दो दिन का वक्त

कमेटी के संयोजक शोएब अहमद खान ने बताया की जिन लोगों की पर्ची बन चुकी है वे दो दिन के भीतर जामा मस्जिद आकर अपना मतदाता पर्ची ले जा सकते हैं। दो दिन बाद कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सत्ता पक्ष की भी रूचि

लगभग 25 से 30 साल बाद हो रहे जामा मस्जिद का चुनाव काफी प्रतिष्ठापूर्ण माना जा रहा है। समाज के कुछ बुजुर्ग यह भी बता रहे थे कि इस चुनाव में सत्ता पक्ष भी रूचि ले रहा है जिसके लिए बाकायदा एक दावेदार के पक्ष में लोगों की पर्ची भी इकट्ठा किये जाने की खबर आ रही है,अगर दावेदार मो. फहीम सत्ता पक्ष की पसंद होंगे तो चुनाव निर्विरोध होने की पूरी संभावना है। हालांकि समाजसेवी मो. नदीम से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि कोशिश रहेगी कि यह चुनाव निर्विरोध हो इसके लिए दावेदारों से चर्चा की जाएगी। गौरतलब है पूर्व मुतवल्ली हाजी अब्दुल अज़ीम भोंदू के इन्तेकाल के बाद जामा मस्जिद का चुनाव कराया जा रहा है। प्रत्याशी और वोटरों के रुझान से ऐसा लग रहा है कि चुनाव काफी दिलचस्प होगा।

भागवत का 6 दिवसीय सीजी दौरा

सीएम भूपेश ने कहा-आ रहे हैं तो कौशल्या माता के मंदिर चलें

गौठानों का भी जायजा लें,सिर्फ वोट के लिए छत्तीसगढ़ी संस्कृति ना अपनाएं

रायपुर, 06 सितम्बर 2022। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को राजधानी आ रहे हैं. उनके इस दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि मोहन भागवत समेत ऋस्स और बीजेपी के कई नेता आ रहे हैं, उनका स्वागत है. सुनाई पड़ा है कि उन्हें छत्तीसगढ़िया पकवान परसा जाएगा. यह छत्तीसगढ़िया संस्कृति की जीत है.

सीएम ने आगे कहा कि अब तक राम के नाम पर, गाय के नाम पर ऋस्स और बीजेपी सिर्फ राजनीति करती रही हैं. मैं उन्हें निमंत्रण देता हूं कि कौशल्या माता के दर्शन के लिए चलें. आ रहे हैं तो गौठानों का भी जायजा ले लें. स्वामी आत्मानांद स्कूल चलें. सीएम ने ये भी कहा कि यदि छत्तीसगढ़ी संस्कृत को अपना रहे हैं तो सिर्फ वोट के लिए ना अपनाएं।

6 दिवसीय प्रवास पर रायपुर आ रहे भागवत

बता दें कि मोहन भागवत आज शाम ट्रेन से रायपुर पहुंचेंगे. वे 6 दिवसीय प्रवास पर राजधानी आ रहे हैं. दरअसल, 7, 8 और 9 सितंबर को संघ की अखिल भारतीय निर्णायक टोली और 10, 11 और 12 सितंबर को अखिल भारतीय समन्वयक की बैठक आहूत की गई है. निर्णायक टोली की बैठक में केवल 12 पदाधिकारी शामिल होंगे, जो 10 सितंबर से आहूत तीन दिवसीय बैठक के आयोजन के संबंध में चिंतन-मनन करेंगे.

भारत जोड़ो यात्रा के लिए पहुंचे पीसीसी चीफ साथियों समेत रामेश्वरम

रायपुर, 06 सितम्बर 2022। कन्याकुमारी में भारत जोड़ो यात्रा में अपने साथियों के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहन मरकाम पहुंच गए हैं। आज सुबह उन्होंने रामेश्वरम मंदिर में भगवन राम द्वारा स्थापित ज्योतिर्लिंग के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त कर छत्तीसगढ़ प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। बता दें छत्तीसगढ़ से भारत जोड़ो यात्रा नहीं होकर जाएगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से ही प्रारम्भ होनी है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने होगा एक बड़ा नवाचार

रायपुर, 06 सितंबर 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज यहां उनके निवास कार्यालय में आयोजित केबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान (पीएम कुसुम) योजना के कम्पोनेन्ट-सी अंतर्गत कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जीकृत किए जाने हेतु 810 मेगावॉट (डी.सी.)/675 मेगावॉट (ए.सी.) क्षमता के सोलर पॉवर प्लांट लगाने के विभागीय प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।कृषि पम्पों का सोलराईजेशन किए जाने से कृषकों को कृषि पम्पों के संचालन हेतु वर्तमान में प्राप्त हो रही बिजली के अतिरिक्त सौर ऊर्जा भी प्राप्त होगी। अतः सौर ऊर्जा की उपलब्धता के समय कृषि पम्पों का संचालन सोलर ऊर्जा से होगा।

कोरोना से भी ज्यादा भयावह है प्रदेश में क्राइम रेट : कौशिक

रायपुर, 06 सितम्बर 2022। पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि प्रदेश में जिस तरह से अपराध की घटनाएं बढ़ रही है जो साबित करता है कि प्रदेश में कोरोना से भी अधिक प्रदेश का क्राइम रेट है और इस पर अंकुश लगाने में प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह से नाकाम है। अपराध के बढ़ते मामलों पर पर्दा डालने का काम प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा किया जा रहा है। नेशनल क्राइम ब्यूरो के रिकार्ड ने प्रदेश सरकार को एक तरह से आईना दिखा दिया है। यह आंकड़े खुद ही बता रहे हैं कि प्रदेश में अपराध किस कदर बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री का ध्यान अपराध नियंत्रण पर नहीं है और प्रदेश के गृह मंत्री का पता ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराध के मामलों में प्रदेश का स्थान देश में दूसरा है। वहीं हत्या के मामले में तीसरा स्थान है व गुमशुदा बच्चों जिनकी अपहरण की संभावना के मामले में छत्तीसगढ़ का स्थान चौथा है वहीं अपहरण के मामले में देश में छटवें स्थान पर है। छत्तीसगढ़ की स्थिति देश के अन्य बड़े राज्यों के तुलना में अपराध के मामले में भयावह है।

धरमलाल कौशिक ने कहा कि प्रदेश की पुलिस को बेहतर पुलिसिंग के लिए कुछ सम्मान भी मिले है आखिरकार वह कौन सी संस्था है जो इस तरह की सम्मान देती है तथा प्रदेश की जमीनी हालत कुछ और ही है। प्रदेश में जिस तरह से स्ट्रीट क्राइम बढ़ रहा है जो बेहद ही चिंताजनक है। छोटी-छोटी बातों पर हत्याएं हो रही है। यह किसी से छिपा नहीं है। रायपुर से लेकर बिलासपुर और पूरे प्रदेश में घटनाओं को लेकर जो वीडियो वायरल हो रहे है जो बताता है कि प्रदेश में क्राइम की स्थिति क्या है।

अक्षय कुमार 2 अक्टूबर को आएंगे छत्तीसगढ़

रायगढ़ में होगी बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग

रायपुर/रायगढ़, 06 सितम्बर 2022। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अपनी आने वाली अपक?मिंग फिल?म की शूटिंग के लिए 2 अक?टूबर को छत्तीसगढ़ आने वाले हैं। कई नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी साउथ की फिल्म सोरारई पोटरु का रीमेक बन रहा है। इस फिल्म में लीड एक्टर अक्षय कुमार हैं। एक्ट्रेस राधिका मदान अक्षय के अपोजिट हैं। इस फिल्म की शूटिंग छत्तीसगढ़ में होगी।

फिल्म के लिए लोकेशंस रायगढ़ में ही तय की जा रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार में फिल्म पॉलिसी के सलाहकार गौरव द्विवेदी ने बताया कि अक्षय की इस अपकमिंग मूवी के लिए लोकेशन देखने 9-10 सितंबर को डायरेक्टर सुधा कोंगारा अपनी टीम के साथ रायगढ़ आएंगी।

माना जा रहा है कि शूटिंग जिंदल स्टील एंड पावर के प्लांट और कॉलोनी में होगी। लोकेशन फाइनल करने के बाद फिल्म मेकिंग टीम के साथ 2 अक्टूबर को अक्षय कुमार रायगढ़ आएंगे। वे यहां 9 अक्टूबर तक रहेंगे। लोकेशन रेकी के लिए टीम पहले ही छत्तीसगढ़ का दौरा कर चुकी है। इसे अंतिम रूप देने के लिए फिल्म की डायरेक्टर सुधा रायगढ़ आएंगी।

सोरारई पोटरु की हिन्दी रीमेक है आने वाली मूवी

सोरारई पोटरु कई नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी है। इसकी कहानी जानने से पहले ये जान लीजिए कि सोरारई पोटरु का क्या अर्थ है। ये एक तमिल शब्द है, जिसका मतलब है 'वीर की जय जयकार।' फिल्म में नेदुमारन राजंगम की कहानी दिखाई गई है, जो अपनी खुद की एयरलाइन का सपना देखता है।

कहानी में,अपने इस सपने को पूरा करने के लिए उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उसे हर जगह ठोकर मिलती है। हर जगह मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वो हार नहीं मानता है और अपने सपने को साकार करता है। वो आम आदमी के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाता है। बताया जाता है कि इसकी कहानी एयर डेक्कन के संस्थापक कैप्टन जीआर गोपीनाथ की लाइफ से इंस्पायर्ड है जो इंडियन आर्मी में थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)